राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 29अक्टूबर2020 वर्ष–3, अंक –273 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

31277 शिक्षक भर्ती मामला

क्या फेल अभ्यर्थियों को दिया गया नियुक्ति पत्र ? जानें क्या है सरकार का जवाब

लखनऊ। 31277 शिक्षक भर्ती में किसी भी अभ्यर्थी के प्रमाणपत्रों में विसंगति के सम्बन्ध में शिकायत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी या प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान या जिलाधिकारी को की जा सकती है। परीक्षण के बाद फर्जी / कूटरचित अभिलेख पाए जाने पर जनपदीय चयन समिति द्वारा संबंधित अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त करने की कार्रवाई करेगी। यह जानकारी बेसिक शिक्षा परिषद् प्रयागराज के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही भ्रामक सूचनाओं का खण्डन भी किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से प्रसारित हो रही सूचनाएं कि जिला स्तर पर फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नियुक्त पत्र जारी किए गए हैं या फेल अभ्यर्थियों को नियुक्त किया गया है, ये तथ्यहीन है, जिसका खण्डन किया जाता है। यदि किसी को शिकायत करनी हो तो पूरी प्रक्रिया अपना कर

शिकायत कर सकता है। इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि 29 व 30 अक्टूबर को स्कूल आवंटित किए जाने हैं। आवंटन का काम जिला स्तर पर होगा। इसकी पूरी प्रक्रिया तय कर दी गई और तैनाती ऑनलाइन ही दी जाएगी।

कोरोना महामारी को अब भी षडयंत्र मान रहे लोग, 25 देशों पर हुए सर्वे के परिणामों ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। कोरोना महामारी को अब भी दुनिया का एक बड़ा हिस्सा षडयंत्र मान रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि कोरोना से हो रही मौतों को दुनिया में बढ़ाचढ़ाकर दिखाया जा रहा है। वहीं, कुछ देशों में लोग मान रहे हैं कि कोरोना एक राजनीतिक षड्यंत्र तहत पैदा किया गया वायरस है। कैंब्रिज द्वारा दुनिया के 25 देशों में किए गए एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे के आधार पर यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट में बताया गया कि गौरतलब है कि महामारी को दुनिया में फैले दस महीने से अधिक समय हो चुका है और अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। सर्वे से पता लगा कि लोगों में सबसे बड़ा भ्रम कोरोना से मरने वाले लोगों की संख्या को लेकर है। लोगों को लगता है कि सरकारें वास्तविकता से ज्यादा मौतें बता रही है। नाइजीरिया में सबसे ज्यादा 60% आबादी ऐसा मानती है। जबकि ग्रीस, दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड और मैक्सिको में 40% से ज्यादा लोग ऐसा मान रहे हैं। अमेरिका में 38%, हंगरी में 36%, इटली में 30% और जर्मनी में 28% लोग मानते हैं कि कोरोना से इतने लोग नहीं मर रहे जितने सरकार बता रही है।

वायरस को चीन या अमेरिका का फैलाया मानते–यूरोप और मध्य एशिया के कई देशों के लोगों ने कहा कि कोरोना वायरस कोई प्राकृतिक महामारी नहीं है बल्कि चीन या अमेरिका ने इसे दुनिया में फैलाया है। पोलैंड में हर पांच में से एक व्यक्ति मानता है कि शक्तिशाली देश ने इसे पैदा किया। दूसरी ओर, टर्की, इजिप्ट, सऊदी अरब में भी लगभग इतने ही लोग इस भ्रम के शिकार हैं। अमेरिका में वायरस को चीन का बनाया मानने वालों की संख्या 13% है जबकि 17% मानते हैं कि उनकी सरकार ने ही इसे पैदा किया। टर्की में 37%, फ्रांस में 13%, ब्रिटेन में 5% लोग वायरस के लिए अमेरिका को जिम्मेदार मानते हैं।

5-जी तकनीक की उपज

कोरोना से जुड़ी फर्जी सूचनाओं का आलम यह है कि बहुत से देशों में यहां तक माना जाने लगा कि 5-जी इंटरनेट तकनीक के कारण कोरोना वायरस फैला। जुलाई से अगस्त तक कराए गए सर्वे से पता लगा कि टर्की, इजिप्ट, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया में हर पांच में से एक व्यक्ति ऐसा मानता है।

टीके को लेकर भी भ्रम–सर्वे में 19 देशों के 20 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा कि कोविड-19 का जो टीका तैयार किया जा रहा है, उसके हानिकारक असर के बारे में सरकारें जनता को नहीं बता रहीं। दक्षिण अफ्रीका में 57 प्रतिशत, टर्की में 48 प्रतिशत , फ्रांस में 38 प्रतिशत, अमेरिका में 33 प्रतिशत, जर्मनी में 31 प्रतिशत और स्वीडन में 26% लोग ऐसा मानत हैं।

वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार की अनूठी पहल

रिमोट सेंसिंग से वाहनों की होगी निगरानी

नई दिल्ली। शहरों में खतरनाक स्तर पर पहुंच रहे वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार अनूठी पहल करने जा रही है। इसके तहत सड़कों पर दौड़ते वाहनों के उत्सर्जन का पता लगाने के लिए रिमोट सेंसिंग डिवाइस मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने की योजना है। इसमें सेंसर की मदद से वाहन की श्रेणी, ईंधन का प्रकार, नंबर प्लेट, रफ्तार, फास्टैग आईडी, उत्सर्जन मानक आदि का पता किया जा सकेगा। खास बात यह है कि तय मानक से अधिक प्रदूषण फैला रहे वाहनों के ड्राइवरों को एसएमएस के जरिए अलर्ट मैसेज भी भेजा जाएगा। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने इस बाबत सितंबर में अंतिम मसौदा जारी कर दिया है। रिमोट सेंसिंग डिवाइस फॉर ऑनबोर्ड एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम विषयक मसौदा में सड़कों पर चल रहे वाहनों के द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण करने के दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इस विषय से जुड़े मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'हिंदुस्तान' को बताया कि रिमोर्ट सेंसिंग डिवाइस (आरएसडी) एक मोबाइल यूनिट होगी। जो शहरों में अलग अलग स्थानों पर लगाई जाएंगी। इसका पॉयलेट प्रोजेक्ट दिल्ली से शुरू किया जाएगा। सफलता मिलने पर देश के प्रमुख व बड़े शहरों में आरएसडी व्यवस्था को लागू किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि इसकी विशेषता यह है कि उत्सर्जन मानक पता लगाने के लिए वाहन अथवा ड्राइवर को किसी प्रकार का व्यवधान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आरएसडी तकनीक की मदद से सड़क पर दौड़ते वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन के स्तर का पता किया जा

सकेगा। इसमें निजी-व्यावसायिक वाहनों की श्रेणी, ईंधन के प्रकार (पेट्रोल-डीजल-सीएनजी) का पता चल जाएगा। इसके अलावा वाहन चालक-मालिक को मोबाइल पर एसएमएस, ईमेल के जरिए अलर्ट मैसेज भेजा जा सकेगा। आरएसडी व्यवस्था में एक बार में कम से कम पांच लाख वाहनों का डाटा जमा किया जाएगा। जिसे नियमित तौर पर मंत्रालय के पोर्टल अथवा वाहन पोर्टल पर अपलो किया जाएगा। वर्तमान में सड़कों पर दौड़ते वाहनों के उत्सर्जन स्तर का पता लगाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है।

कैसे काम करेगी तकनीक

आरएसडी में उच्च तकनीक के कैमरे व उत्सर्जन विश्लेषक उपकरण लगे होंगे। जो लेजर की मदद से दूर से चलते हुए वाहनों की नंबर प्लेट, फास्टैग आईडी, वाहन की श्रेणी, ईंधन का प्रकार व उत्जर्सन मानक का पता लगा सकेंगे। आरएसडी डाटा का रियल टाइम मूल्यांकन करेंगे। ऑपरेटर समय समय पर उत्सर्जन डाटा का ऑडिट कर मंत्रालय के पोर्टल पर भेजेंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति की जा सकती है कुर्सी, राष्ट्रपति ने जांच की दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश त्यागी के खिलाफ राष्ट्रपति ने उच्च स्तरीय जांच की अनुमति दे दी है। कुलपति के खिलाफ प्रशासनिक अनियमितताओं से जुड़े ढेरों मामले सामने आने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने पिछले दिनों सख्त रूख दिखाते हुए उनके खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कराने का फैसला लिया था। साथ ही इसे लेकर राष्ट्रपति से अनुमति मांगी थी। मंगलवार को राष्ट्रपति से अनुमति मिलने के बाद मंत्रालय ने कमेटी के गठन का काम भी शुरू कर दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री निशंक ने दिल्ली विवि के कुलपति के खिलाफ जांच का यह फैसला उस समय लिया था, जब विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश त्यागी ने मेडीकल अवकाश के दौरान ही विश्वविद्यालय में एक नए प्रो-वीसी और रजिस्ट्रार की नियुक्त कर दी। जिसके चलते विश्वविद्यालय में अफरा-तफरी फैल गया। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विश्वविद्यालय में बनी इस स्थिति से अव्यवस्था की स्थिति बन गई थी। आखिरकार इस पूरे मामले के सामने आने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने कड़ा कदम उठाया। मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रपति से कुलपति के खिलाफ जांच की मंजूरी मिलने की पुष्टि की है। साथ ही जल्द की जांच कर कुलपति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए है।

कुलपति पर मेडिकल लीव के दौरान गलत तरीके से प्रो-वीसी और रजिस्ट्रार को नियुक्त करने का आरोप

इसके साथ ही इस विवाद में शामिल और रजिस्ट्रार बनाए गए पीसी झा के खिलाफ भी मंत्रालय ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए है। जिसमें उन्हें निलंबित भी किया जा सकता है। मंत्रालय के मुताबिक उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से नोटिस दिया गया है, जिसमें एक दिन में उन्हें जबाव देना है। इसके बाद कार्रवाई तय की जाएगी। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़े इस विवाद को लेकर केंद्रीय मंत्री निशंक ने पिछले दिनों अधिकारियों की एक बैठक की थी

भारतीय वायुसेना और भी होगी ताकतवर, अप्रैल 2021 तक 16 राफेल आएंगे भारत

नई दिल्ली। चीन के साथ सीमा पर तनाव के बीच भारत की ताकत में और भी इजाफा होने वाला है। पांच राफेल विमान के आने से भारतीय वायुसेना की ताकत पहले ही और बढ़ गई है, मगर उसमें जल्द ही चार चांद लगने वाला है, क्योंकि राफेल लड़ाकू विमानों की दूसरी खेप जल्द ही भारत आ ही है। इस मामले से परिचित वायुसेना के अधिकारियों की मानें तो 5 नवंबर को तीन राफेल लड़ाकू विमान हरियाणा के अंबाला एयरबेस पर पहुंच जाएंगे। इतना ही नहीं, भारतीय वायुसेना की स्ट्राइक क्षमता अप्रैल 2021 तक और भी अधिक बढ़ जाएगी, क्योंकि इंडिनय एयरफोर्स के गोल्डन एरो स्क्वाड्रन बेड़े में तब तक 16 राफेल विमान शामिल हो जाएंगे। फिलहाल, भारतीय वायुसेना के बेड़े में पांच राफेल विमान शामिल हो चुके हैं। इसी साल 29 जुलाई को भारतीय वायु सेना के लिए तुरूप का इक्का माने जाने वाले पांच राफेल विमानों की पहली खेप फ्रांस से अबु धाबी होते हुए अंबाला एयरबेस आई थी। ये सभी लड़ाकू विमान इंडियन एयरफोर्स के 17वें स्क्वॉड्रन में शामिल हुए थे। वायु सेना ने 59 हजार करोड़ रुपये की लागत से फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीद का सौदा किया है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अनुसार, तीन राफेल लड़ाकू विमानों का अगला जत्था पांच नवंबर को बोर्डो-मेरिग्नैक एयरबेस से सीधे अंबाला पहुंचेगा। इस दौरान कहीं भी इन विमानों का पड़ाव नहीं होगा, क्योंकि ये हवा से हवा में ही ईंधन भरने की ताकत रखते हैं। बता दें कि फ्रांस में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू पायलट प्रशिक्षण के लिए पहले से ही सात राफेल लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर रहे हैं। राफेल लड़ाकू विमानों के दूसरे बेड़े को शामिल करने की तैयारियों के तहत भारतीय

ये सभी लड़ाकू विमान इंडियन एयरफोर्स के 17वें स्क्वॉड्रन में शामिल हुए थे। वायु सेना ने 59 हजार करोड़ रुपये की लागत से फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीद का सौदा किया है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अनुसार, तीन राफेल लड़ाकू विमानों का अगला जत्था पांच नवंबर को बोर्डो-मेरिग्नैक एयरबेस से सीधे अंबाला पहुंचेगा।

वायु सेना ने साजो-सामान संबंधी मुद्दों को देखने और वहां सेंट-डिजियर वायुसेना केंद्र पर चुनिंदा पायलटों के प्रशिक्षण की समीक्षा के लिए अधिकारियों के एक दल को फ्रांस भेजा है। अधिकारियों की मानें तो फ्रांस से तीन और राफेल विमान जनवरी में आएंगे। इसके अलावा, मार्च में तीन और अप्रैल में सात राफेल फाइटर जेट आएंगे। इस तरह से भारतीय वायुसेना को 21 सिंगल सीट वाले फाइटर जेट और सात दो सीट वाले फाइटर जेट सौंप दिए जाएंगे। इसका मतलब है कि अगले साल अप्रैल तक गोल्डन एरो स्क्वाड्रन के बेड़े में 18 फाइटर जेट राफेल शामिल हो जाएंगे और शेष तीन को पूर्वी मोर्चे पर चीन द्वारा उत्पन्न खतरे का मुकाबला करने के लिए उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में हाशिमारा एयरबेस पर भेजा जा सकता है। दरअसल, सभी राफेल लड़ाकू विमान हवा से हवा और हवा जमीन पर मारक क्षमता वाली मिसाइलों से लैस हैं। हवा से हवा और जमीन दोनों में सटीक हमला करने से लेकर छोटे स्तर के परमाणु हथियार तक ले जाने में समक्ष हैं, मगर भारतीय वायुसेना राफेल जेट की क्षमता को और बढ़ाने के लिए उसे हैमर मिसाइल्स से लैस करने की तैयारी कर रही है। भारत ने अब सफरान से 250 किलोग्राम वारहेड के साथ एयर-टू-ग्राउंड मॉड्यूलर हथियार के लिए अनुरोध किया है। बता दें कि हैमर यानी कि हाइली एजाइल एंड मैनोवरेबल म्यूनिशन एक्टेंडेड रेंज हवा से जमीन पर मार करने वाली रॉकेट के जरिए चलने वाली मिसाइल किट है। गौरतलब है कि भारत ने 23 सितंबर 2016 को फ्रांसीसी एरोस्पेस कंपनी दसॉल्ट एविएशन से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए 59,000 करोड़ रुपए का सौदा किया था। 36 राफेल युद्धक विमानों को फ्रांस से खरीदने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले की घोषणा अप्रैल 2015 में की गई थी। इस समझौते पर एक साल से अधिक समय के बाद हस्ताक्षर किए गए थे।

बिहार विधानसभा चुनाव

पीएम मोदी ने की लोगों से वोटिंग की अपील, बोले- पहले मतदान, फिर जलपान

लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। दो गज की दूरी का रखें ध्यान, मास्क जरूर पहनें। याद रखें, पहले मतदान, फिर जलपान!'

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आज पहले चरण में 71 सीटों पर वोटिंग शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर लोगों से मतदान करने की अपील की है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'बिहार विधानसभा चुनावों में आज पहले दौर की वोटिंग है। सभी मतदाताओं से मेरा आग्रह है कि वे कोविड संबंधी सावधानियों को बरतते हुए, लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। दो गज की दूरी का रखें ध्यान, मास्क जरूर पहनें। याद रखें, पहले मतदान, फिर जलपान!' वहीं, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में वोटिंग की अपील की है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, आज प्रथम चरण के मतदान के दिन बिहारवासियों के बेहतर भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी, विकास और नए दौर में नए बिहार के निर्माण के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और महागठबंधन के साथ बदलाव के सहभागी बनें। आपको बता दें कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में तीन-तीन रैली करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कल ट्वीट कर कहा, कल एक बार फिर बिहारवासियों के बीच रहूंगा। दरभंगा, मुजफ्फरपुर और राजधानी पटना की रैलियों में उनसे सीधे संवाद करने का मौका मिलेगा। आप सभी इन रैलियों से जरूर जुड़िए।

बिहार चुनाव–दूसरे चरण के 34 फीसदी कैंडिडेट के खिलाफ आपराधिक मामले

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए मैदान में डटे 1463 उम्मीदवारों में से 34 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है। चुनाव संबंधी गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि करीब 27 प्रतिशत और कुल 389 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। ये गंभीर मामले गैर-जमानती अपराध हैं और इसमें पांच साल से अधिक की सजा हो सकती है। इसके अनुसार कुल 502 उम्मीदवार अथवा 34 प्रतिशत प्रत्याशियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है। संगठन की रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 34 फीसदी अथवा 495 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति करोड़ों में बताई है जबकि तीन उम्मीदवारों ने कहा है कि उनके पास कोई संपत्ति नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय जनता दल के 56 उम्मीदवारों में से 64 प्रतिशत अथवा 36 उम्मीदवारों ने हलफनामे में अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है और 50 फीसदी अथवा 28 उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले बताए हैं। भारतीय जनता पार्टी के 46 उम्मीदवारों में से 29 ने आपराधिक मामले जबकि 20 ने गंभीर आपराधिक मामले अपने हलफनामे में बताए हैं। इसमें कहा गया है कि इसी प्रकार लोक जनशक्ति पार्टी के 52 उम्मीदवारों में से 28 ने आपराधिक मामले जबकि 24 ने गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की है। कांग्रेस के 24 उम्मीदवारों में से 14 ने, बसपा के 33 में से 16 ने तथा जदयू के 43 में से 20 उम्मीदवारों ने अपने अपने हलफनामे में आपराधिक मामलों की घोषणा की है । इसमें कहा गया है कि इसी प्रकार बसपा के 14, कांग्रेस के 10 तथा जदयू के 15 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की है। 49 उम्मीदवारों ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों की घोषणा की है जबकि इनमें से चार ने कहा है कि उनके खिलाफ बलात्कार से संबंधित मामले चल रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हलफनामे से प्राप्त जानकारी के अनुसार 32 उम्मीदवारों के खिलाफ हत्या एवं 143 उम्मीदवारों के खिलाफ हत्या के प्रयास के मामले लंबित हैं। दूसरे चरण की 94 सीटों में से 84 सीटों को रेड अलर्ट निर्वाचन क्षेत्र घोषित किया गया है। रेड अलर्ट निर्वाचन क्षेत्र वे होते हैं जहां तीन या उससे अधिक ऐसे उम्मीदवार चुनाव मैदान में होते हैं जो अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा करते हैं।

केंद्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र के लिए भूमि हस्तांतरण के नए नियमों को दी मंजूरी

नई दिल्ली। विकास कार्यों के लिए रक्षा मंत्रालय की भूमि के बदले अब दूसरे विभाग रक्षा मंत्रालय को भवन या अन्य बुनियादी सुविधाएं भी बदले में तैयार करके दे सकेंगे। पहले भूमि के बदले भूमि देने का नियम था, जिसमें भूमि हस्तांतरण में काफी समय लग जाता था। अब रक्षा मंत्रालय ने रक्षा भूमि हस्तांतरण के नए नियमों को मंजूरी प्रदान कर दी है। इससे रक्षा महकमे भूमि हस्तांतरण से अपने संसाधनों में बढ़ोत्तरी कर सकेंगे।

सड़क, मेट्रो, बिजली परियोजनाओं आदि के लिए अक्सर बीच में रक्षा भूमि आ जाती है। इसके लिए रक्षा भूमि का हस्तांतरण करना होता है। मौजूदा समय में नियम यह है कि जितनी भूमि हस्तांतरित की जानी है, उतनी ही जमीन सेना को उपयुक्त स्थान पर देनी होगी। इसकी कीमत भी बराबर होनी चाहिए, लेकिन राजमार्ग प्राधिकरण, मेट्रो, पावर जैसी एजेंसियों के पास जमीन नहीं होती है। वे राज्यों से बात करते हैं। राज्य से जमीन लेकर रक्षा महकमे को देते हैं, लेकिन जहां जमीन मिलती है, वहां रक्षा महकमे के काम की नहीं

होती है। ऐसे में दोबारा जमीन देखी जाती है। इस प्रक्रिया में लंबा समय लग जाता है। इस बीच प्रोजेक्ट की कीमत बढ़ जाती है।

नए निमयों के मुताबिक जितनी रक्षा भूमि किसी महकमे को दी जानी है, उसका बाजार मूल्य निकाला जाएगा। उसके बाद जो महकमा उसे ले रहा है, उसे यह विकल्प दिया जाएगा कि वह उतनी राशि का कोई बुनियादी ढांचा संबंधित रक्षा महकमे के लिए बना दे, जिसकी महकमे को जरूरत है। जैसे कोई भवन, ऑडिटोरियम, स्टेडियम, आवासीय परिसर आदि। इससे एक तो बदले में जमीन देने की जरूरत नहीं रहेगी। दूसरे रक्षा महकमे के खर्च में भी बचत होगी। जमीन हस्तांतरण का कार्य भी जल्दी हो जाएगा।

डॉयरेक्टर जनरल ऑफ डिफेंस स्टेट के पूर्व महानिदेशक जे. शर्मा ने कहा कि इससे रक्षा महकमे को अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए संसाधन मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि जहां जमीन के बदले जमीन का अच्छा विकल्प होगा, वह भी खत्म नहीं किया गया है तथा उसका उपयोग किया जा सकता है। तीसरा और अंतिम विकल्प कीमत की भुगतान का भी खुला रहेगा, लेकिन जमीन के बदले उसकी कीमत के बराबर की बुनियादी सुविधाएं तैयार करने की पहल अच्छी है। इससे विकास योजनाओं को रफ्तार मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कश्मीर में नई पहल

– डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पिछले साल जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटी तो अब उसके तार्किक परिणाम सामने आए बिना कैसे रह सकते हैं। अब केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में अन्य प्रांतों के लोगों को ज़मीन खरीदने और मकान बनाकर रहने का अधिकार दे दिया है। इस संबंध में कश्मीर के मूल निवासी होने की शर्त को हटा लिया गया है। सरकार का मानना है कि इस नए प्रावधान की वजह से कश्मीरियों को रोजगार के अपूर्व अवसर मिलेंगे, उन्हें अपने प्रदेश में रहते हुए प्रचुर नौकरियां मिलेंगी, देश-विदेश के बड़े-बड़े उद्योग वहां फले-फूलेंगे और यदि ऐसा होगा तो इसमें मैं यह जोड़ दूं कि कश्मीर को केंद्र सरकार के आगे हर साल हाथ फैलाने की जरूरत नहीं होगी। कश्मीरी नेताओं ने इस नए प्रावधान को बहुत घातक बताया है। उनका कहना है कि भारत सरकार ने कश्मीर को नीलाम करने की ठान ली है। कश्मीरी नेता अब शायद इस आशंका से भी ग्रस्त होंगे कि जब कश्मीर की अपनी आमदनी बहुत बड़ी हो जाएगी तो केंद्र से करोड़ों-अरबों की मदद घट जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो नेतागण अपना हाथ कैसे साफ करेंगे? कश्मीरी नेताओं को यह डर भी सता सकता है कि कश्मीर की सुंदरता पर फिदा देश के मालदार और दिलदार नागरिक इतनी बड़ी संख्या में वहां आ बसेंगे कि कहीं कश्मीरी मुसलमान अल्पमत में न चले जाएं। इसीलिए बेहतर हो कि केंद्र सरकार गैर-कश्मीरियों के वहां बसने पर कड़ा नियंत्रण रखे, जैसा कि नागालैंड और मणिपुर- जैसे पूर्वी सीमांत के प्रांतों में है। वैसे केंद्र सरकार ने अभी से यह प्रावधान तो कर दिया है कि जम्मू-कश्मीर की खेतिहर जमीन को कोई गैर-कश्मीरी नहीं खरीद सकेगा और वहां मकान या दफ्तर या कल-कारखाने नहीं लगा सकेगा। हां, अस्पतालों और स्कूलों के लिए कृषि-भूमि दी जा सकती है लेकिन उसके लिए सरकारी अनुमति जरूरी होगी। कश्मीर में बसे बाहरी किसान एक-दूसरे की जमीन अब खरीद-बेच सकेंगे। जमीन की खरीद-फरोख्त संबंधित पुराने 12 कानून निरस्त कर दिए गए हैं। अब जैसे कश्मीरी नागरिक भारत में कहीं भी ज़मीन खरीद-बेच सकता है, लगभग वैसा ही अब किसी अन्य प्रांत का नागरिक कश्मीर में कर सकता है। फिलहाल, कश्मीरियों को यह प्रावधान बुरा जरूर लगेगा लेकिन उनकी पहचान, उनकी अस्मिता, उनके गौरव को दिल्ली की कोई भी सरकार कभी नष्ट नहीं होने देगी।

(लेखक सुप्रसिद्ध पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

आज के ट्वीट

सपोर्ट

भारत को फ्रांस का पूरी तरह से सपोर्ट करना चाहिए फ़्रेंच उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी घटानी चाहिए जिससे वहां के उत्पादों को भारत के मार्केट में जगह मिल सके?

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

मैला ढोने की अमानवीय प्रथा

– प्रियंका सौरव

किसी मनुष्य के मलमूत्र की साफ-सफाई के लिए व्यक्ति विशेष को नियुक्त करने की व्यवस्था सर्वथा अमानवीय है। इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए महात्मा गांधी समेत तमाम महापुरुषों ने समय-समय पर प्रयास किए। इसके बावजूद यह व्यवस्था न सिर्फ निजी बल्कि सरकारी प्रतिष्ठानों में भी जड़ें जमाए रही। अब जबकि पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान के जरिए साफ-सफाई पर चर्चा हो रही है तो यह जरूरी है कि इस अमानवीय पेशे के उन्मूलन के लिए गंभीर प्रयास किए जाएं। महात्मा गांधी ने 1917 में इस कुप्रथा का विरोध करते हुए व्यवस्था दी थी कि साबरमती आश्रम में रहने वाले सदस्य अपने शौचालय को खुद ही साफ करेंगे। इसके बाद महाराष्ट्र हरिजन सेवक संघ ने 1948 में मैला ढोने की प्रथा का विरोध किया था और इसे खत्म करने की मांग की थी। ब्रेव-कमेटी ने 1949 में सफाई कर्मचारियों के काम करने की स्थितियों में सुधार के सुझाव दिए थे। मैला ढोने के हालातों की जांच के लिए बनी एक अन्य समिति ने 1957 में सिर पर मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने का सुझाव दिया था। हम देशभर में सफाई के लिए सेप्टिक टैंक और नालियों में मानव प्रवेश के कारण हुई मौत की ख़बरें सुनते हैं। ऐसी दुखद घटनाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने गैर-सरकारी संगठनों से इसके उपयुक्त समाधान की तलाश के लिए एक प्रौद्योगिकी चुनौती शुरू की है। जिससे देश में सीवरों और सेप्टिक टैंकों की सफाई में मानव हस्तक्षेप की जगह नवीनतम तकनीकों को बढ़ावा दिया जा सके। सेप्टिक टैंक और नालियों की सफाई करने वालों के अलावा मैला ढोने की प्रथा (मैनुअल स्कैवेंजिंग) भी इस काम में लगे लोगों के लिए अभिशाप बन गई है। मैनुअल स्कैवेंजिंग का तात्पर्य किसी भी तरीके से मैन्युअल रूप से सफाई करने, शुष्क शौचालयों और सीवरों से मानव उत्सर्जन ले जाने, निपटाने या संभालने के अभ्यास से है। 28 साल पहले कानून के माध्यम से इसपर प्रतिबंध लगाने एवं तकनीकी प्रगति के बावजूद, मानव अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता पैदा करने वाली, मैनुअल स्कैवेंजिंग भारत में बनी हुई है। 2015 में जारी सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 18 मिलियन मैनुअल मैला ढोने वाले घर थे। अधिकांश सेप्टिक टैंक मैन्युअल रूप से भारतीय शहरों में खाली किए जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत के 80न्न सीवेज क्लीनर विभिन्न संक्रामक रोगों के कारण 60 की उम्र से पहले मौत के शिकार हो जाते हैं। ये दुर्घटनाएँ शहरी इलाकों में अधिक हैं। देश के 8000 शहरी क्षेत्र हैं और 6 लाख गाँव के बड़े हिस्से में सीवेज प्लांट नहीं है। मैनुअल स्कैवेंजिंग मुख्य रूप से जाति व्यवस्था से दृढ़ता से जुड़ा हुआ है। इस सबसे अमानवीय पेशे को खत्म करने के लिए समाज द्वारा समर्थन का अभाव भी इसके बने रहने के पीछे एक कारण है। इनके बारे में सटीक सर्वे भी नहीं हो पा रहा है क्योंकि डेटा स्व-रोजगार लेने के लिए मैनुअल मैला ढोने वालों की जानकारी सामाजिक अभिशाप की वजह से सामने नहीं आ पाती। इसके लिए सरकारी पहल की सख्त जरूरत है। 1993 में संसद द्वारा ड्राई स्केवेंजर्स एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ ड्राई लैट्रिंस (निषेध) अधिनियम को पारित किया गया था, जिसके तहत एक व्यक्ति को मैनुअल स्कैवेंजिंग करने के लिए एक वर्ष तक का कारावास और 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। मैनुअल स्कैवेंजर्स (एसआरएमएस) के पुनर्वास के लिए स्वरोजगार योजना, समयबद्ध तरीके से एक उत्तराधिकारी योजना (स्केवेंजर्स और उनके आश्रितों की मुक्ति और पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय योजना), 2007 में वैकल्पिक स्कैवेंजरों और उनके आश्रितों को वैकल्पिक व्यवसायों में पुनर्वासित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। मैनुअल स्कैवेंजर्स और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 के रूप में रोजगार का निषेध 2013 से प्रभावी हुआ। यह अधिनियम मैनुअल स्केवेंजर्स के रूप में रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है। अधिनियम में कहा गया है कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा और अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के बारे में शिकायतों की जांच करेगा। प्रावधान के तहत, किसी भी व्यक्ति, स्थानीय प्राधिकरण या एजेंसी को सीवरों और सेप्टिक टैंकों की खतरनाक सफाई के लिए लोगों को संलग्न या नियोजित नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने प्रैक्टिस को रोकने और नियंत्रित करने और अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए 2014 में कई दिशा-निर्देश जारी किए। सेप्टिक टैंकों की मशीनीकृत सफाई निर्धारित मानदंड है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के मुताबिक केवल 16 राज्यों ने ही सिर पर मैला ढोने की प्रथा पर प्रतिबंध के कानून को अपनाया है और किसी ने भी इसे पूरी तरह लागू नहीं किया है। श्रम मंत्रालय के 'कर्मचारी क्षतिपूर्ति कानून' को भी सिर्फ 6 राज्यों ने लागू किया है। इसलिए अब आगे ऐसा न करके एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो आय सृजन का विस्तार करने या ऋण प्रदान करने से आगे बढ़े, जिससे मुक्त मैनुअल मैला ढोने वालों की अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। स्वच्छ भारत अभियान जैसे ऑपरेशन में इस पहलू पर ध्यान देना आवश्यक है। मेनहोल में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के लिए तकनीकी उन्नति का सहारा लिया जाये। ऐसे कार्यों में लगे लगे लोगों के कलंक और भेदभाव से इतर आजीविका को सुरक्षित करने के लिए पूर्व या मुक्त मैनुअल मैला ढोने वालों के लिए तरीका ढूँढा जाये। इनके पुनर्वास के लिए बजट समर्थन और उच्च आवंटन का प्रभावी उपयोग एवं प्रबंध किया जाये। मेनहोल में आखिर क्यों उतरना पड़ता है, इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ा जाये और उनपर जुर्माना लगाया जाये। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण भारत में लाखों सेप्टिक टैंक बनाए जा रहे हैं। इनको आधुनिक तकनीक पर बनाया जाये ताकि भविष्य में मानव हस्तक्षेप की कम जरूरत पड़े। हमें मैला प्रथा के मूल कारणों पर प्रहार करने की आवश्यकता है। इसलिए अब स्मार्ट शहरों को नियमावली को ध्यान में रखते हुए योजना बनाई जानी चाहिए। महिलाओं को कौशल विकास और आजीविका प्रशिक्षण प्रदान करके भेदभाव मुक्त, सुरक्षित और वैकल्पिक आजीविका सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। सामुदायिक जागरूकता और स्थानीय प्रशासन की संवेदनशीलता के माध्यम से अनुकूल वातावरण बनाएं जाने की भी जरूरत है। (लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

नींद लेना जरूरी

सद्गुरु

आप जीवन के साथ लड़ाई मत कीजिए। आपको यह जरूर जानना चाहिए कि जीवन के साथ लय में कैसे रहा जाए। आप एक जीवन हैं, आप जीवन के विरोधी नहीं हैं। आपको सिर्फ इस जीवन के साथ लयबद्ध होना है। खुद को चुस्त-दुरु स्त और सेहतमंद रखना एक संघर्ष नहीं है। इसके लिए कोई भी ऐसी गतिविधि कीजिए जिसमें आप आनंद ले सकें-आप कोई खेल खेलिए, तैरिए, सैर कीजिए, जो भी अच्छा लगता है वह कीजिए, लेकिन आपको हलवा खाने के अलावा कुछ अच्छा नहीं लगता। तब तो आपको पता ही है कि दिक्कत होगी। नहीं तो किसी काम को सहजता के साथ करने में कोई दिक्कत नहीं है, आप बस रिलैक्स होना सीखिए। तो सवाल है कि मेरे शरीर को आखिर कितनी नींद की जरूरत है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी शारीरिक गतिविधि किस तरह की है। आपको अपनी नींद या खाने को तय करने की कोई जरूरत नहीं है। 'मुझे रोज कितनी कैलोरी खानी चाहिए, मुझे रोज कितना सोना चाहिए?' जीवन को संभालने का यह मूर्खतापूर्ण तरीका है। आप अपने शरीर को ही तय करने दीजिए कि आज कितना खाना खाना है। आज आपकी गतिविधि का स्तर कम था, इसलिए आपने कम खाया। कल आपके कामकाज का स्तर बहुत ऊंचा होता है तो आप ज्यादा खाएंगे। यही बात नींद पर भी लागू होती है। अगर आप खूब सहज व आरामदेह स्थिति में रहते हैं, तो आप जगे हुए रहेंगे। आपके शरीर को किसी अलार्म से जागने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। एक बार शरीर जब पूरी तरह से रिलैक्स हो जाए तो फिर यह अपने आप जग जाएगा। अगर जीवन जीने की ललक है तो आपके सिस्टम को ऐसा ही होना चाहिए। और अगर यह बिस्तर को एक कब्र के रूप में देख रहा है तो यह उससे बाहर नहीं आना चाहेगा। अगर आपको इस मौत से बाहर निकालने के लिए किसी की जरूरत पड़ती है तो यह खुद में एक समस्या है। आपको अपने शरीर और मन को ऐसा रखना चाहिए, जिससे इनमें हमेशा जीने की चाहत बनी रहे, उनमें जिंदगी से भागने की चाहत नहीं होनी चाहिए। यह सब कुछ इस पर निर्भर करता है कि आप जीवन को किस तरह से ले रहे हैं। अगर आप एक खास तरह की मानसिक स्थिति में हैं, जहां आप जीवन से बचना चाहते हैं, तो नींद अच्छा जरिया बन जाती है।

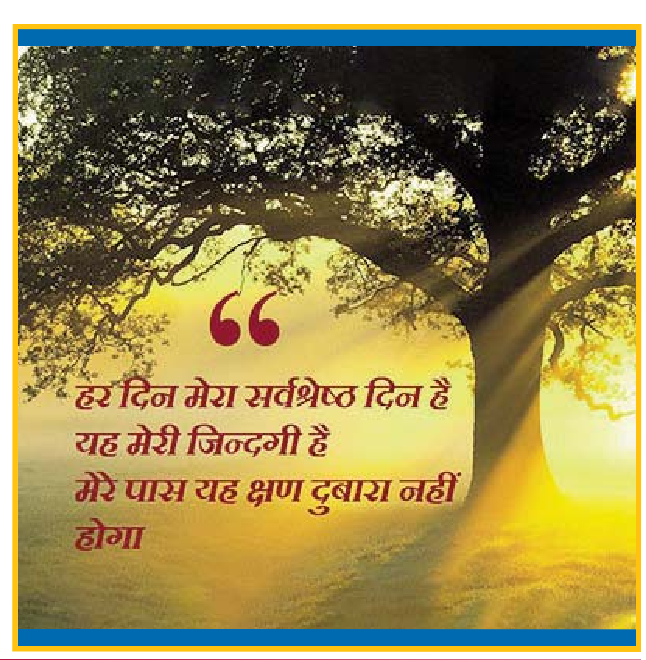

आज का राशिफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
कर्क	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।
सिंह	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।
कुम्भ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

जेल-जुर्माने के प्रावधान से उपजे प्रश्न

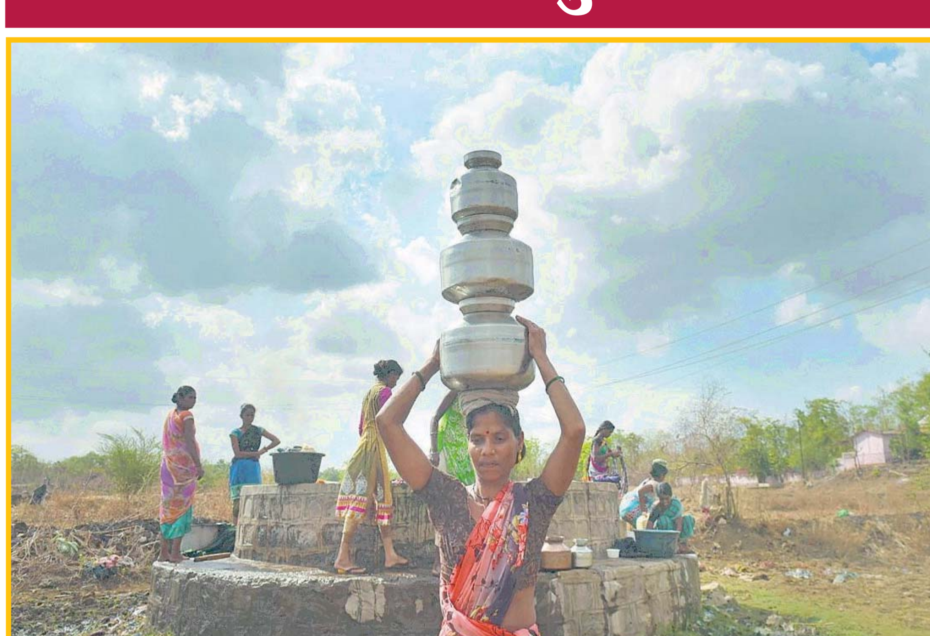

अनूप भटनागर

अंततः सरकार ने भूजल स्रोत से हासिल होने वाले पीने योग्य पानी की बर्बादी या इसके दुरुपयोग को दंडनीय अपराध बना ही दिया है। पीने के पानी की बर्बादी रोकने के लिये कानूनी प्रावधान करने वाली सरकार अभी भी देशवासियों के लिये साफ पानी मुहैया कराने को मौलिक अधिकारों के दायरे में लाने की इच्छुक नहीं लग रही है। थोड़ा अटपटा लगता है कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त मौलिक अधिकार के दायरे में ठीक से नींद लेना और भोजन तो शामिल हैं लेकिन साफ पानी इसके दायरे में नहीं है मगर पीने का पानी बर्बाद करने पर जुर्माना और जेल का प्रावधान हो गया है। देश की शीर्ष अदालत कहती है कि शुद्ध पीने का पानी प्राप्त करना नागरिकों का अधिकार है और सरकार कहती है कि सभी को साफ पानी उपलब्ध कराने को मौलिक अधिकार घोषित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। देशवासियों के लिये शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था करना और जल संरक्षण को लेकर लंबे समय से चल रहे द्वंद्व में देश की सर्वोच्च अदालत पिछले करीब 25 साल से भूजल की बर्बादी और इसके अनियंत्रित दोहन को लेकर चिंता व्यक्त कर रही है। इसके बावजूद कई राज्यों में भूजल दोहन के लिये अवैध तरीकों से ट्यूबवैल की खुदाई और टैंकरों से पानी की आपूर्ति का सिलसिला जारी है। ऐसी स्थिति में जल संरक्षण के प्रयासों की सफलता पर प्रश्नचिन्ह लगता रहा है। खैर, केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण ने पिछले सप्ताह एक आदेश जारी करके पर्यावरण संरक्षण कानून, 1986 की धारा पांच के तहत भूजल स्रोत से प्राप्त पीने योग्य पानी की बर्बादी के अपराध में पांच साल तक की कैद या एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान कर दिया है लेकिन सवाल यह है कि इस आदेश पर अमल कैसे होगा? इस नये कानूनी प्रावधान पर अमल की जिम्मेदारी निश्चित ही स्थानीय प्रशासन, नगर निगम और पंचायत स्तर के अधिकारियों पर होगी लेकिन जिस व्यवस्था में न्यायिक आदेशों के बावजूद गैरकानूनी तरीके से भूजल के दोहन की गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग सका, उसमें यह देखना दिलचस्प होगा कि टैंकरों से जगह-जगह पानी पहुंचाने वाले निकाय तथा कोठियों और घरों में पाइप लगाकर बाग-बगीचों में पानी देने से लेकर कारों की धुलाई-सफाई में बर्बाद होने वाले पानी पर अंकुश कैसे लगेगा।

इस आदेश के अनुसार राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में जल आपूर्ति नेटवर्क से संबंधित नागरिक निकाय, जिन्हें जल बोर्ड, जल निगम, वाटर वर्क्स डिपार्टमेंट, नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, पंचायत या किसी भी अन्य नाम से पुकारा जाता है, यह सुनिश्चित करेंगे की भूजल से मिले पीने के पानी की बर्बादी और इसका दुरुपयोग नहीं हो। इस पर अमल के लिये इन निकायों को अलग से एक तंत्र स्थापित करना होगा। पहली नजर में ऐसा लगता है कि केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण ने पर्यावरण संरक्षण कानून की धारा पांच के तहत यह निर्देश जारी करके राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश के अनुपालन की औपचारिकता पूरी की है। अब इन निर्देशों पर अमल करना राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के स्थानीय निकायों में जल आपूर्ति करने वाले विभागों की जिम्मेदारी है। इस आदेश की पृष्ठभूमि में यह भी ध्यान रखना होगा कि कई राज्यों में भूजल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट और गैरकानूनी तरीके से भूजल के दोहन पर अंकुश लगाने के लिये उच्चतम न्यायालय के दिसंबर, 1996 के निर्देश के तहत पर्यावरण संरक्षण कानून के अंतर्गत केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण की स्थापना की गयी थी। इस प्राधिकरण को भूजल विकास और प्रबंधन को नियमित करने के साथ ही इस संबंध में आवश्यक निर्देश देने के अधिकार प्राप्त हैं। इस प्राधिकरण को पर्यावरण संरक्षण कानून की धारा पांच के तहत गैरकानूनी तरीके से भूजल का दोहन रोकने के लिये जिलाधिकारियों के मार्फत कार्रवाई करने का अधिकार प्राप्त है लेकिन गैरकानूनी तरीके से बनने वाले बोरवेल की गतिविधियां जगजाहिर हैं। निश्चित ही प्रशासन की मिलीभगत के बगैर यह संभव नहीं है। प्राधिकरण के इस आदेश पर सहसा ही उच्चतम न्ययालय का फरवरी, 2010 का निर्देश याद आता है, जिसमें भूजल संरक्षण और इसका गैरकानूनी तरीके से दोहन रोकने तथा ट्यूबवेल की खुदाई के बारे में केन्द्र सरकार के दिशा निर्देशों पर अमल करने के लिये कहा गया था। शहरी क्षेत्रों में पेयजल संकट से निपटने में पानी टैंकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में अनधिकृत टैंकर होते हैं जो अवैध तरीके से लगाये गये बोरवेल या ट्यूबवेल से पानी निकाल कर शहरी इलाकों में इसकी आपूर्ति करते हैं। केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण को सबसे पहले अवैध तरीके से सक्रिय ट्यूबवेल और अनधिकृत पानी के टैंकरों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना होगा। इसके अलावा, सरकार और स्थानीय प्रशासन को जनता को पानी के महत्व के बारे में समझाना होगा।

सरकारी नौकरी के नाम पर हो रही धोखाधड़ी को लेकर भारतीय रेलवे ने किया अलर्ट

बिजनेस डेस्क: सरकारी नौकरी पाने के चक्कर में युवा फर्जीवाड़े का शिकार हो सकते हैं। भारतीय रेलवे ने नौकरी के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी को लेकर अलर्ट किया है। साथ ही धोखाधड़ी करने वालों की शिकायत करने के लिए हेल्पलाइन नंबर भी बताया है। रेल मंत्रालय ने कहा कि अगर आपके साथ रेलवे में नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी की कोशिश की जा रही है तो आप इसकी शिकायत रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 182 पर कॉल करके कर सकते हैं। रेल मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि भारतीय रेल में नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों से बचें। रेलवे में नौकरी देने का आपको कोई भी लुभावना ऑफर देता है तो आप उसकी तुरंत शिकायत करें। फर्जी नौकरी देने वालों की शिकायत करने के लिए 182 डायल करें। साथ ही रेलवे में नौकरी से संबंधित सही जानकारी के लिए आरआरबी (**RRB**) की आधिकारिक वेबसाइट **http://rrcb.gov.in** पर जाएं।

सरकार ने किया था आगाह

इससे पहले अगस्त के महीने में भी भारतीय रेलवे ने 5000 से ज्यादा भर्ती के विज्ञापन को फर्जी करार दिया था। रेल मंत्रालय की ओर से साफ कहा गया था कि रेलवे ने ऐसी कोई वैकेंसी नहीं निकाली है, ये विज्ञापन फर्जी हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल विज्ञापन में बताया गया था कि आउटसोर्सिंग एजेंसी ने रेलवे के 8 पदों पर 5285 भर्तियां निकाली हैं। रेल मंत्रालय ने आगाह करते हुए कहा था कि ऐसी भर्तियों के झांसे में ना आएं। रेलवे की ओर से ऐसा कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया गया है।

15वां वित्तीय आयोग इस महीने के अंत तक सौंप देगा अपनी रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एन के सिंह की अध्यक्षता में गठित 15वां वित्त आयोग अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। आयोग को 2021-26 के लिये अपनी रिपोर्ट 30 अक्टूबर, 2020 तक सरकार को सौंपनी है। रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन एन के सिंह ने बुधवार को पूर्व वित्त आयोग के प्रमुखों के साथ बैठक की। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब आयोग अपनी सिफारिशों को लेकर विचार-विमर्श को लेकर प्रक्रिया पूरी कर चुका है और अंतित रिपोर्ट देने की तैयारी में है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये हुई शिष्टाचार बैठक में आयोग के अन्य सदस्य भी शामिल हुए। बयान के अनुसार, ''15वें वित्त आयोग के चेयरमैन सिंह और अन्य सदस्यों ने 12वें और 13वें वित्त आयोग के चेयरमैन क्रमश- सी रंगराजन और डा. विजय केलकर के साथ बैठक की।'' सिंह ने बैठक में कहा, ''यह पिछले 20 वर्षों में हमारे संघीय इतिहास का प्रतिनिधित्व है ...।'' पंद्रहवे वित्त आयोग को 2021-26 के लिये अपनी अंतिम रिपोर्ट 30 अक्टूबर, 2020 तक उपलब्ध करानी है। आयोग अपना काम पूरा करने के लगभग करीब है। पूर्व वित्त अयोग के प्रमुखों ने कहा कि कोविड-19 के कारण जिस कड़ी चुनौती के बीच मौजूदा आयोग ने काम किया वह सराहनीय है। कोविड-19 संकट के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं और उसका प्रतिकूल असर केंद्र एवं राज्य सरकारों की राजकोषीय स्थिति पर पड़ा है। बयान के अनुसार, ''बैठक में 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन और सदस्यों ने पूर्व वित्त आयोग के प्रमुखों की सोच और कामकाज तथा उनके साथ विचार-विमर्श से विभिन्न पहलुओं के बारे में जो स्पष्ट जानकारी और सोच मिली, उसको लेकर आभार जताया।''

शेयर बाजार में भारी गिरावट, निवेशकों के डूबे 1.59 लाख करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क:

यूरोप में फिर से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने और अमेरिकी चुनाव को लेकर जारी चिंताओं की वजह से दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई है। इसी का असर आज घरेलू शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 600 अंक गिरकर 39,922 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं, एनएसई के 50 शेयरों वाले प्रमुख इंडेक्स निफ्टी में 160 अंक की गिरावट आई है। इस गिरावट में निवेशकों के 1.59 लाख करोड़ रुपए डूब गए हैं।

शेयर बाजार में आई तेज गिरावट

बैंकिंग शेयरों पर आज सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। बैंक निफ्टी में करीब 600 अंकों की गिरावट देखने को मिली। बैंक निफ्टी अंत में 537 अंक गिरकर 24,233 पर बंद हुआ। वहीं, मिडकैप 170 अंक गिरकर 17,048 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयरों में बिकवाली रही। निफ्टी के 50 में से 41 शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी बैंक के 12 में से 11 शेयरों में गिरावट रही।

क्यों आई शेयर बाजार में गिरावट

एसकोर्ट सिक्योरिटी के रिसर्च हेड आसिफ इकबाल ने बताया कि अमेरिका में चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। ऐसे में वहां राजनैतिक अस्थिरता की गहराती चिंताओं ने

बाजार के मूड को खराब कर दिया है। क्योंकि कोई न कोई सर्वे आए दिन आ रहे हैं, कुछ में वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप पिछड़ते दिख रहे हैं। जिसके चलते बाजार में वोलैटिलिटी बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि राहत पैकेज को चुनाव के बाद जारी किया जाएगा क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेट्स के बीच इस मामले पर बातचीत सही दिशा में नहीं पहुंच पा रही है। इसलिए भी बाजार पर दबाव बढ़ा है।

विप्रो ने रियल एस्टेट उद्योग के लिए किराएदार प्रबंधन समाधान पेश किया

बेंगलुरु। विप्रो लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि उसने सैप एसई के साथ मिलकर रियल एस्टेट उद्योग के लिए क्लाउड आधारित समाधान तैयार किया है। कंपनी ने किराएदार अधिग्रहण प्रबंधन समाधान की पेशकश की है, जिसे सैप ग्राहक अनुभव और सैप एस/4एचएएनए सॉफ्टवेयर के साथ एकीकृत किया जा सकता है। विप्रो ने बताया कि यह समाधान रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन, कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों से जुड़ा है।

SBI जनरल इंश्योरेंस का कर पश्चात लाभ पहली छमाही में 53 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। निजी क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनी एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में उसका कर पश्चात लाभ 53 प्रतिशत बढ़कर 300 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में उसका कर पश्चात लाभ 196 करोड़ रुपये था। बीमा कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उसकी कुल लिखित प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) अप्रैल-सितंबर में 17 प्रतिशत बढ़कर 3,658 करोड़ रुपये हो गई, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 3,118 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसका अंडरराइटिंग मुनाफा 56 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 37 करोड़ रुपये था। बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ पी सी कांडपाल ने कहा, 'हमारे मजबूत वितरण नेटवर्क और विविध उत्पादों की मदद से हमने 17 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की, जबकि उद्योग की वृद्धि दर 1.6 प्रतिशत रही। हमें इस साल 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है।'

SBI General INSURANCE

अमेरिका भारत को देना चाहता है F-18 फाइटर जेट, नौसेना की जरूरतें होंगी पूरी

नेशनल डेस्क:

भारत के साथ संबंधों को और ऊंचाई देने की इच्छा से अमेरिका ने बुधवार को भारत को विमान वाहकों के लिए लड़ाकू जेट की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय नौसेना को अपने स्न-18 नौसेनिक लड़ाकू जेट देने की पेशकश की है। कुछ साल पहले, भारतीय नौसेना ने मौजूदा आईएनएस विक्रमादित्य और निर्माणाधीन स्वदेशी विमान वाहक सहित नौसेना के विमान वाहकों से अपने संचालन के लिए 57 नौसैनिक लड़ाकू जेट खरीदने की इच्छा जताई थी। सूत्रों ने एएनआई को बताया, 'अमेरिकी सरकार ने टू प्लस टू वार्ता के दौरान दोनों देशों के रक्षा प्रतिनिधिमंडल के बीच बैठक में एक सरकारी प्रस्ताव के तहत भारतीय नौसेना के लिए अपने नौसैनिक लड़ाकू विमान एफ-18 देने की पेशकश की है।÷ रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय नौसेना को मानवरहित विमान 'सी गार्जियन' के साथ-साथ कई अन्य प्रणालियों के साथ अपने एफ-18 लड़ाकू विमानों को खरीदने की पेशकश की गई है। फिलहाल, भारतीय नौसेना अपनी वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए एफ-18 और राफेल नौसेना लड़ाकू विमानों का आकलन कर रही है, क्योंकि इसके मौजूदा लड़ाकू विमानों के इस दशक के आखिर तक या अगले दशक की शुरुआत में बाहर होने की संभावना है। अमेरिकी सरकार द्वारा पेशकश की जा रही विमान को उस विमान का उन्नत संस्करण बताया जा रहा है, जिसकी 126 मल्टीरोल मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की जरूरतों के लिए भारतीय वायु सेना को पेशकश की गई थी। उसमें सिर्फ राफेल और यूरोपीय यूरोफाइटर ही गुणात्मक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम पाए गए और आखिर में फ्रांसीसी विमान को चुना गया था। राफेल और एफ-18 दोनों ही भारतीय नौसेना के लिए आईएनएस विक्रमादित्य विमान वाहक पोत से उड़ाने भरने और उतरने के लिए अपने संबंधित लड़ाकू विमान की क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अलावा, चीन के साथ भारत के गतिरोध के दौरान अमेरिकियों ने चीनी सेना की तैनाती और गतिविधियों के बारे में बहुत सारी जानकारी भी साझा की है।

मैरिको का दूसरी तिमाही मुनाफा 7.9 प्रतिशत बढ़कर 273 करोड़ रुपये हुआ

नयी दिल्ली, एफएमसीजी कंपनी मैरिको लिमिटेड ने बुधवार को बताया कि 30 सितंबर 2020 को समाप्त दूसरी तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 7.90 प्रतिशत बढ़कर 273 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि इस दौरान घरेलू कारोबार में तेजी और विदेश में स्थिर प्रदर्शन से उसे मदद मिली। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उसने 253 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हासिल किया था। मैरिको ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी आय 8.74 प्रतिशत बढ़कर 1,989 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,829 करोड़ रुपये थी। मैरिको के एमडी और सीईओ सौगत गुप्ता ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू किए गए लॉकडाउन को क्रमिक रूप से हटाने के साथ ही उपभोक्ता धारणा में सुधार हुआ है। मैरिको ने बताया कि उनसे बोर्ड ने बुधवार को हुई बैठक के दौरान वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 300 प्रतिशत अंतरिम लाभांश देने को मंजूरी दी है, जो एक रुपये अंकित मूल्य के शेयर पर प्रति शेयर तीन रुपये होगा।

marico

त्योहारी सीजन में मोदी सरकार देगी तोहफा, जनधन अकाउंट में फिर से भेज सकती है 1500 रुपए

बिजनेस डेस्क:

कोरोना वायरस के चलते पूरी अर्थव्यवस्था तहस नहस हो गई है। कोरोना की सबसे अधिक गरीबों पर पड़ी है। लिहाजा मोदी सरकार ने गरीबों के लिए फ्री में नवंबर तक अनाज बांटने की घोषणा की थी। अब कहा जा रहा है कि इसे मार्च 2021 तक बढ़ाया जा सकता है। इसी तरह मोदी सरकार ने जनधन अकाउंट में महिलाओं के अकाउंट में पिछली बार 1500 रुपए भेजे गए थे। अब मोदी सरकार फिर से त्योहारी सीजन को देखते हुए गरीब महिलाओं के अकाउंट में 1500 रुपए भेजने की तैयारी कर रही है। सरकार का मकसद है कि गरीब परिवार हंसी खुशी से अपने त्योहार मना सके। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार गरीब और कमजोर परिवार के लोगों के लिए तीसरे प्रोत्साहन पैकेज तैयारी कर रही है। सरकार गरीब कल्याण योजना के तहत अनाज और पैसे देने की घोषणा कर कर सकती है।

दरअसल सरकार ने 20 करोड़ से अधिक महिला जनधन अकाउंट होल्डर्स के अकाउंट में 3 महीने में 1500 रुपए भेजे थे। बता दें कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (**Pradhan Mantri Garib Kalyan Yojana**) के तहत प्रधानमंत्री जन धन योजना (**Pradhan Mantri Jandhan Yojana**) लागू की है।

जानिए कैसे ओपन कराएं जनधन अकाउंट

प्रधानमंत्री जनधन योजना (**Pradhan Mantri Jandhan Yojana**) के तहत जीरो बैलेंस पर सेविंग अकाउंट खुलवाया जा सकता है। इसमें चेक सुविधा, इंश्योरेंस जैसी तमाम सुविधाएं दी जाती हैं। आप किसी भी बैंक की ब्रांच में जाकर जरूरी डॉक्यमेंट्स लेकर अपना अकाउंट खुलवा सकते हैं।

इन डॉक्यूमेंट्स की है जरूरत

जनधन अकाउंट ओपन कराने के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस का इस्तेमाल कर सकते हैं। ताकि आपका **KYC** पूरा किया जा सके। अगर आपके पास कोई डॉक्यूमेंट्स नहीं है तो आप अपनी सेल्फ अटेस्टेड फोटो लेकर बैंक अधिकारी के सामने अपने साइन करके आप अकाउंट ओपन करा सकते हैं। यहां पर यह ध्यान देने योग्य बात है कि जनधन अकाउंट खुलवाने के लिए किसी भी तरह की कोई फीस नहीं लगती है। इस अकाउंट को कोई 10 साल से ऊपर के लोग खुलवा सकते हैं।

अकाउंट ओपन होने पर मिलती हैं ये सुविधाएं

इस अकाउंट में ओपन कराने पर ओवर ड्रॉफ्ट की सुविधा के साथ रुपे डेबिट कार्ड की सुविधा भी मुहैया कराई जाती है। डेबिट कार्ड पर 1 लाख रुपए का एक्सिडेंट इंश्योरेंस मिलता है। सरकारी योजनाओं का जो लाभ मिलता है, उसमें सीधा फंड अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया जाता है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष का बयान, कहा- दूसरी छमाही में सकारात्मक रहेगी भारत की वृद्धि दर

बिजनेस डेस्क:

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि सकारात्मक दायरे में होगी। उन्होंने यह भी कहा कि 2021-22 में भारत का प्रदर्शन दुनिया के ज्यादातर देशों के मुकाबले बेहतर होगा। सेरा वीक के भारत ऊर्जा मंच में कुमार ने कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न अनिश्चितता को लेकर चिंता जताई। इसकी वजह से अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

कुछ क्षेत्रों में बेहतर स्थिति

उन्होंने कहा कि, 'हम 2021-22 में बेहतर करेंगे। हमारा प्रदर्शन दुनिया के बड़े हिस्से के मुकाबले बेहतर होगा। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि महामारी से कैसे राहत मिलती है। इसको लेकर अनिश्चितता है।' कुमार ने कहा कि हो सकता है कि पूरी अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत नहीं हों, लेकिन कुछ क्षेत्रों में बेहतर स्थिति देखने को मिल रही है। इसमें माल ढुलाई, बिजली मांग, कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा अन्य आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था में गिरावट आएगी, लेकिन गिरावट की गति धीमी होगी। कुमार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में वृद्धि दर सकारात्मक होगी। उन्होंने कहा, 'मेरा अनुमान है कि 2021-22 में मजबूत वृद्धि देखने को मिलेगी। मैं यह ठोस आधार पर उम्मीद जमा रहा हूं। हमने छह से सात महीनों (महामारी के दौरान) में कई संरचनात्मक सुधार किए। इसमें एफडीआई नियम, श्रम कानून और कृषि क्षेत्र शामिल हैं।'

संरचनात्मक सुधारों से मिलेगी मदद

नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि संरचनात्मक सुधारों से भारत को चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में सकारात्मक वृद्धि हासिल करने में मदद मिलेगी। अगले वित्त वर्ष में यह और बेहतर होगा। उन्होंने कहा, 'हमें जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट को लेकर हताश नहीं होना चाहिए। अभी कई उपाय (पैकेज) पाइपलाइन में हैं।'

कुमार ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का आत्मनिर्भर अभियान का मतलब वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग-थलग होना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत अपने उद्यमियों के लिए समान अवसर चाहता है ताकि निर्यात को बढ़ाया जा सके।

डॉ.रेड्डीज का दूसरी तिमाही शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत घटकर 762 करोड़ रुपये पर

Dr.Reddy's

नयी दिल्ली

डॉ. रेड्डीज लैब का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 30.22 प्रतिशत घटकर 762.3 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 1,092.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आय मामूली बढ़त के साथ 4,896.7 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,800.9 करोड़ रुपये रही थी। डॉ. रेड्डी लैब के सह-चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जी वी प्रसाद ने कहा, ''सभी बाजारों में हमने वृद्धि दर्ज की है। साथ ही हमारी उत्पादकता में भी सुधार हुआ है। हमारी शोध टीम कोविड-19 के कई संभावित उपचारों पर काम कर रही है।'' कंपनी को 22 अक्टूबर को सूचना सुरक्षा से संबंधित घटना का सामना करना पड़ा था। कंपनी ने इसे रैन्सम-वेयर का हमला बताया था।''

साइबर हमले के बारे प्रसाद ने कहा कि अभी सभी समाधानों और डेटा की 'रिकवरी' का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी महत्वपूर्ण परिचालन नियंत्रित तरीके से किए जा रहे हैं।

DGCA का ऐलान, 30 नवंबर तक निलंबित रहेंगी इंटरनेशनल उड़ानें

बिजनेस डेस्क:

कोरोना वायरस संकट के चलते शेड्यूल की गई अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री सेवाओं को अब 30 नवंबर, 2020 तक निलंबित कर दिया गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (**DGCA**) ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे पहले केंद्र सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ान सेवाओं पर लगे प्रतिबंध को 31 अक्टूबर 2020 तक के लिए बढ़ाया था। देश में कोरोना वायरस के दैनिक मामलों में आज वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार की तुलना में बुधवार को कोविड-19 के नए मामलों की संख्या बढ़ी है। मंगलवार को जहां 36,469 मामले रिपोर्ट किए गए थे वहीं, बुधवार को 43,893 नए मामले सामने आए हैं। मालूम हो कि भारत ने कोरोना वायरस महामारी के कारण दो महीने के अंतराल के बाद 25 मई को घरेलू यात्री उड़ानों को फिर से शुरू किया गया था। इसके बाद विदेश में फंसे यात्रियों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन चलाया गया और कई देशों के साथ एयर बबल करार भी किया गया। भारतीय एयरलाइंस को पूर्व कोविड-19 घरेलू उड़ानों का अधिकतम 60 फीसदी संचालन करने की अनुमति है। इस साल जून में कुल 19.84 लाख यात्रियों ने घरेलू यात्रा की। डीजीसीए ने कहा कि 25 मई से 31 मई के बीच 2.81 लाख हवाई यात्रियों ने घरेलू यात्रा की थी।

सितंबर में इतने यात्रियों ने किया सफर

डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार, इस साल सितंबर में कुल 39.43 लाख घरेलू यात्रियों ने हवाई यात्रा की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 66 फीसदी कम है। वहीं जुलाई और अगस्त में क्रमशः 21.07 लाख और 28.32 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की। डीजीसीए द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इंडिगो ने सितंबर में 22.66 लाख यात्रियों को सेवाएं दी, जो कुल घरेलू बाजार का 57.5 फीसदी हिस्सा है। स्पाइसजेट ने 5.3 लाख यात्रियों को सेवाएं प्रदान की, जो कुल बाजार का 13.4 फीसदी हिस्सा है। सितंबर में एयर इंडिया, एयर एशिया इंडिया, विस्तारा और गोएयर से क्रमश- 3.72 लाख, 2.35 लाख, 2.58 लाख और 2.64 लाख यात्रियों ने सफर किया।

आयकर विभाग ने छापे के दौरान एंट्री ऑपरेटर संजय जैन से बरामद किए 62 करोड़ रुपये

नई दिल्ली:

आयकर विभाग ने कई शहरों में हवाला कारोबारियों और फर्जी बिल बनाने वालों पर छापे मारकर 62 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। आयकर विभाग के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि ये बेनामी धन है और इसे संजय जैन के रूप में पहचाने गए एक व्यक्ति से संबंधित विभिन्न परिसरों से जब्त किया गया। आयकर विभाग ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में 42 परिसरों में छापेमारी की थी, जिनसे यह राशि जब्त की गई। आयकर विभाग ने कहा कि इस दौरान हवाला रैकेट द्वारा कथित रूप से करीब 500 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन के संकेत मिले।

कहा कि जिन परिसरों में छापे मारे गए, वहां लकड़ी की अलमारी और फर्नीचरों में 2000 रुपये और 500 रुपये के नोट छिपाकर रखे गए थे।

इससे पहले सीबीडीटी ने मंगलवार को जारी बयान कहा था कि 2.37 करोड़ रुपये की नकदी और 2.89 करोड़ रुपये के आभूषणों के साथ ही 17 बैंक लॉकरों की जानकारी मिली है, जिनकी जांच की जानी बाकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोंकण तट का अत्यंत ही सुंदर बीच है गणपतिपुले

गणपतिपुले कोंकण तट का एक अत्यंत ही सुंदर बीच है। यह बीच प्रेमियों के साथ ही शांत वातावरण के चाहने वालों और तीर्थयात्रियों का भी पसंदीदा बीच है। यहां स्थित स्वयंभू गणेश के मंदिर में हमेशा श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। यहां स्थित गणेश भगवान को पश्चिम द्वारदेवता के रूप में भी जाना जाता है। गणपतिपुले पहुंचने वाले सभी खुद ब खुद इस महान देवता के आगे अपना शीश नवाने पहुंच जाते हैं।

सुंदर बीच और स्वच्छ पानी के अलावा गणपतिपुले वनस्पति के मामले में भी काफी समृद्ध है। यहां मैनग्रोव और नारियल के पेड़ों की भरमार है। निश्चय ही यहां आकर आप भागदौड़ के जीवन से छुटकारा पा सकते हैं।

महत्वपूर्ण शहरों से दूरी

मुंबई से गणपतिपुले (मनमाड के रास्ते) 375 किलोमीटर की दूरी पर है।
पुणे से गणपतिपुले (सतारा के मार्ग से) 331 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
कोल्हापुर से गणपतिपुले की दूरी 144 किलोमीटर है।

कहां ठहरें

यहां आपको महाराष्ट्र टूरिज्म कॉरपोरेशन का रिसार्ट उपलब्ध है।

कैसे पहुंचे

वायु मार्ग : गणपतिपुले अगर हवाई जहाज से जरिए जाना है तो यहां से नजदीकी एयरपोर्ट कोल्हापुर है।
रेल मार्ग : कोंकण मार्ग पर भोके (ख्रद्धश्च्द्ग) यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन है। हालांकि यहां से रत्नागिरी भी पास और सुगम है।
सड़क मार्ग : गणपतिपुले मुंबई, पुणे और कोल्हापुर से होकर जाया जा सकता है।

कैसा है यहां का मौसम

गणपतिपुले मुंबई से करीब 375 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां कमोबेश आर्द्र मौसम रहता है। मार्च के महीने से यहां का तापमान बढ़ना शुरू हो जाता है लेकिन यह 38 डिग्री सेंटीग्रेट से अधिक नहीं जाता है। मई का महीना सबसे गर्म होता है। यहां बारिश अच्छी और लगातार होती है और मानसून का समय जून से अक्टूबर तक होता है। जाड़े का मौसम यहां सबसे सुहावना होता है जब रात के वक्त तापमान में गिरावट देखने को मिलता है। लेकिन इस दौरान यहां ठंड इतनी नहीं पड़ती कि काफी गर्म कपड़े साथ ले जाने की जरूरत पड़े। हां यहां जाते वक्त आप स्वीमसूट साथ ले जाना ना भूलें।

प्रसिद्ध त्योहार

यहां मनाये जाने वाले त्योहारों में सबसे प्रमुख है भगवान गणेश का जन्मोत्सव माघ चतुर्थी और गौरी गणपति। इसके अलावा यहां होली, गुड़ी पर्व और दीपावली खासतौर पर मनाई जाती है।

गणपतिपुले में जरूर खायें

जब आप गणपतिपुले जायें तो वहां के अंबापोलि, फांसपोलि, फिश करी, कोकम करी जरूर खाएं। अगर आप शाकाहारी हैं तो वहां आपको नारियल पर आधारित सब्जियां खाने को मिलेंगी। इसके साथ ही गणेश प्रिय मोदक भी आपको यहां बहुतायत में मिलेंगे। गर्मियों के मौसम में अगर आप यहां जाते हैं तो आपको विश्व प्रसिद्ध आम 'हापुस' खाने का मौका मिलेगा।

गणपतिपुले के आसपास क्या देखें

मलगुंड

गणपतिपुले से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित मलगुंड छोटा सा गांव है जो प्रसिद्ध मराठी कवि केशवासूत का जन्मस्थल है। यहां आकर आप इस महान कवि के घर जा सकते हैं जिसे आज छात्रावास में तब्दील कर दिया गया है। मराठी साहित्य परिषद द्वारा बनाये गए कवि केशवासूत का स्मारक भी आप देख सकते हैं।

वेलनेश्वर

अगर आप शांत वातावरण, नारियल के पेड़ों से पटे समुद्र तट की तलाश में हैं तो चले जाएं शास्त्री नदी के उत्तर में बसे खूबसूरत वेलनेश्वर गांव। यहां के पुराने शिव मंदिर पर प्रत्येक महाशिवरात्रि को श्रद्धालुओं की भीड़ इक्टठा होती है।

रत्नागिरी

गणपतिपुले से 25 किलोमीटर दूर स्थित है प्रसिद्ध रत्नागिरी। अरब सागर के तट पर बसा यह शहर बाल गंगाधर तिलक की जन्मभूमि है। रत्नागिरी का नाम का वर्णन पौराणिक कथाओं में भी है। ये वही जगह है जहां पांडवों ने अपना वनवास काटा था। यहां आकर आप रत्नागिरी दुर्ग, थिबाउ महल और बाल गंगाधर तिलक का मकान (इसे अब स्मारक बना दिया गया है) जरूर देखें। इसके अलावा आप वीर सावरकर द्वारा निर्मित पतित पावन मंदिर भी देख सकते हैं।

जयगढ़ का किला

गणपतिपुले से करीब 35 किलोमीटर की दूरी पर है जयगढ़ किला। यह संघमेश्वर नदी द्वार पर सीधी चट्टान पर बना हुआ है। 17वीं शताब्दी में बने इस किले से विहंगम समुद्र और कोंकण के ग्रामीण जीवन की पूरी तस्वीर भी दिखती है।

पावस

अगर आप दौड़ती-भागती जिंदगी से थोड़ा फुर्सत निकालकर सुकून की तलाश में हैं तो प्राकृतिक सुंदरता, शांत और निर्मल वातावरण के परिपूर्ण पावस जरूर जाएं। यहां महाराष्ट्र के प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु स्वामी स्वरूपानंद का आश्रम भी है।

मार्लेश्वर

यहां एक प्रसिद्ध शिव मंदिर और जलप्रपात है। गणपतिपुले से मार्लेश्वर की दूरी महज 60 किलोमीटर है।

दरवान

गणपतिपुले से 85 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह छत्रपति महाराज शिवाजी पर प्रदर्शनी और शिव सृष्टि के लिए प्रसिद्ध है।

परशुराम

गणपतिपुले से 112 किलोमीटर दूर स्थित है परशुराम। यहां स्थित परशुराम मंदिर जरूर देखें।

रेत पर अब सुरीली रात का समा

राजस्थान के रेगिस्तान की शाम तब और भी खूबसूरत लगती है जब यहां लगे तंबुओं में बैठकर लोकनृत्य का आनंद उठाने का मौका मिल जाए। और जब तंबू में फाइव स्टार सुविधाएं भी हों तो आनंद कई गुना बढ़ जाता है। इसीलिए तो जैसलमेर के थार रेगिस्तान से 20-25 किलोमीटर दूर सम गांव की तरफ ढेरों टेंट रिसॉर्ट विकसित हो चुके हैं। यहां लगभग एक हजार सर्व सुविधायुक्त टेंट लगे हैं।

विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इन भव्य लक्जरी टेंटों में फाइव स्टार होटलों जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें एसी लगे होते हैं, लाइव बारबेक्यू, गोल्फ कोर्स से लेकर स्विमिंग पूल जैसी लक्जरी भी मुहैया करवाई जा रही है। सैलानियों के लिए कैमल रेस (ऊंट दौड़), कैमल पोलो जैसे मनोरंजन के इंतजाम भी किए जा रहे हैं।

थार रेगिस्तान में बसी टेंटों की यह दुनिया वाकई अद्भुत है। सम के रेतीले धोरों की तरफ जाने वाले मार्ग पर दोनों ओर देखकर लगता है, जैसे यह टेंट रिसोर्ट का कोई छोटा-मोटा शहर हो। सारा इंतजाम देशी-विदेशी सैलानियों की पसंद को देखते हुए किया गया है। दरअसल रेगिस्तान में रात को रुकना पर्यटकों के लिए हमेशा रोमांच भरा रहा है। लेकिन सुविधाओं के अभाव में ज्यादा पर्यटक अपनी इस इच्छा को पूरा नहीं कर पाते थे।

इसलिए लगभग पांच साल पहले यहां आधुनिक सुविधाओं वाले टेट लगाने का चलन शुरू हुआ, जिसके चलते अब सालाना तीन लाख पर्यटक लक्जरी टेंटों का आनंद उठाने के लिए यहां आने लगे हैं। वे इन टेंटों में एक रात रुकने के लिए 3,000-10,000 रु। तक खर्च करने से गुरेज नहीं करते। टेंट का किराया उसमें मौजूद सुविधा के मुताबिक तय होता है।

सम के रेगिस्तान में सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित डेजर्ट स्प्रिंग नाम का टेंट रिसोर्ट बना रहे पर्यटन कारोबारी मयंक भाटिया कहते हैं, ''पर्यटक आधुनिक सुविधाओं से युक्त टेंट चाहते हैं। उनकी मांग को देखते हुए हम 25 टेंटों का एक ऐसा लक्जरी टेंट रिसोर्ट बना रहे हैं जिसमें बड़ा गोल्फ कोर्स, टेनिस कोर्ट और बैडमिंटन कोर्ट होगा। टेंट के भीतर स्टडी टेबल, वार्डरोब, इलेक्ट्रॉनिक सेफ, फ्रिज, सोफा, मिनी बार, लाइव बारबेक्यू सहित और भी ढेरों सुविधाएं होंगी।''

रेगिस्तान में पानी की जबरदस्त कमी तो हमेशा से ही रही है लेकिन रेगिस्तान के मध्य में होते हुए भी इन टेंटों में ठंडे और गरम पानी की लगातार सप्लाई होती है। टेंटों का निर्माण करवाने वाले ज्यादातर होटल व्यवसायी हैं जो पर्यटकों की शाम को रूमानी बनाने के लिए तरह-तरह के और भी कई प्रयोग कर रहे हैं। वे रेत के टीलों पर कैंडल लाइट डिनर की व्यवस्था करते हैं। ठेठ राजस्थानी लोक संगीत से सैलानियों की शामों को सुरीला बनाया जाता है। इसलिए इन यादगार लम्हों का लुत्फ उठाने के लिए आने वालों की तादाद बढ़ती चली जा रही है।

सम के टेंट रिसोर्ट राजस्थान डेजर्ट सफारी कैंप के मालिक उपेंद्र सिंह राठौड़ कहते हैं, ''जैसलमेर के रेगिस्तान में लक्जरी टेंट दुबई के रेतीले टीलों पर बने हुए लक्जरी टेंटों की तर्ज पर बनाए जा रहे हैं। रेतीले टीलों पर मशाल लाइट डिनर, कैंडल लाइट डिनर की पर्यटकों के बीच खासी मांग है।''

राठौड़ शाम-ए-जैसलमेर नाम से एक लक्जरी टेंट रिसोर्ट का निर्माण करवा रहे हैं। इस रिसोर्ट्स में रेतीले टीलों के बीच स्विमिंग पूल भी बनाया जा रहा है। इसमें नए शादीशुदा जोड़ों के लिए एक्सक्लूसिव कैंडल लाइट डिनर की सुविधा भी होगी, जो उनकी शाम को यादगार बना देगी।

लक्जरी टेंट के नए चलन की वजह है यहां पर आने वाले ऐसे सैलानियों का इस तरह की सुविधाओं की नियमित मांग करना। रेगिस्तान में ये सैलानी कुछ अलग और रोमांचक करने की इच्छा रखते हैं। जन्मदिन, शादी की सालगिरह और हनीमून मनाने के लिए रेत की धरती पर आने वाले लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

कई चर्चित हस्तियां भी गुपचुप तरीके से रेगिस्तानी शाम का लुत्फ उठाने के लिए थार आती हैं। भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रॉबर्ट ब्लैकविल भी अभी हाल ही अपनी पत्नी का जन्मदिन मनाने यहां आए थे। यहां पर ठेठ ग्रामीण परिवेश के बीच उन्होंने केक कैटरिंग सेरेमनी आयोजित की थी और इसके साथ ही कैंडल लाइट डिनर भी किया था। उनके अलावा पॉप स्टार मीका, दिवंगत ''ग़ज़ल गायक जगजीत सिंह और दूसरी शख्सियतें भी खास मौकों पर जश्न मनाने के लिए यहां आ चुकी हैं।

टेंट कारोबारी टेंट पर्यटन को लोकप्रिय बनाने के लिए और भी कई तरह की योजनाओं पर काम कर रहे हैं। जैसा कि भाटिया बताते हैं, ''यहां आने वाले सैलानी ढेर सारा फन और रोमांच चाहते हैं। इसलिए उनकी मांग को देखते हुए हम रेगिस्तान में चलने वाले डेजर्ट स्कूटर और दूसरे वाहन लाने की योजना पर भी काम कर रहे है। इसके अलावा डिनर ऑफ ड्यून्स (रेत के टीले पर बैठकर भोजन) के नाम से खास इंतजाम किए गए हैं, जिसके तहत अनगिनत लजीज व्यंजन उपलब्ध करवाए जाते हैं।''

मेहमानों की सुख-सुविधा के लिए जितने भी इंतजाम किए जाते हैं उनमें हनीमून मनाने के लिए यहां आने वालों का खास ध्यान रखा जाता है। राठौड़ की सुनिए, ''नव विवाहितों का हम पूरा ख्याल रखते हैं। खास उनके लिए रात के समय राजस्थानी लोक गीत-संगीत के अलावा ऑस्ट्रेलियन बैले डांस का भी आयोजन किया जाता है।''

रोमांच को बढ़ाने के लिए उपेंद्र सिंह राठौड़ कुछ और भी प्रयोग कर रहे हैं। वे बताते हैं, ''हम अपने टैंट रिसॉर्ट में एक स्पेशल मचान रेस्टोरेंट भी बना रहे हैं। सैलानी इस पर बैठकर सूर्यास्त के मनोहारी दृश्य का आनंद उठा सकेंगे। साथ में लजीज भोजन का लुत्फ भी ले सकेंगे।'' यहां आने वाला बोर हो, इसकी संभावना कम होती है क्योंकि मनोरंजन के तमाम साधन मौजूद रहते हैं।

इनमें कैमल पोलो, कैमल रैस और कैमल सफारी तो है ही, इन सब से मन भर जाए तो कई सारे इंडोर गेम भी मौजूद हैं। रोमांच के बाद अगर थोड़ी शांति की जरूरत महसूस हो तो आप यहां की लाइब्रेरी में बैठकर पसंदीदा किताबें पढ़ सकते हैं।

पर्यटन व्यवसायी महासंघ के अध्यक्ष और रॉयल डेजर्ट सफारी कैंप के मालिक जितेंद्र सिंह राठौड़ कहते हैं, ''पर्यटक रेगिस्तान के बीचोबीच रुकना चाहते हैं। इसीलिए संचालक अपने टेंटों में बेहतरीन आधुनिक सुख-सुविधाएं उपलब्ध करवाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। सम और खुहड़ी के रेतीले धोरों पर पसरे 1,000 से ज्यादा टेंटों में कैमल सफारी के लिए 700 से ज्यादा ऊंटों को लगाया गया है।''

अपने शानदार किलों और हवेलियों के लिए प्रसिद्ध राजस्थान मुमकिन है, जल्द ही दुनिया भर में अपने खूबसूरत और अनोखे टैंट रिसॉर्ट्स के लिए भी पहचाना जाने लगे।

शेखावाटी हवेलियां चित्र अजूबे पर हवेली बदहाल

मंडावा दिल्ली-बीकानेर मार्ग का मिड प्वाइंट है, लेकिन यहां के दर्जन भर से ज्यादा होटलों में विदेशी सैलानियों के एक रात बिताने की वजह कुछ और है। ये हैं शेखावाटी की दो दर्जन से ज्यादा हवेलियां। जो भी सैलानी इन्हें देखते हैं, वे दूसरी बार आने की योजना यहीं से बनाने लगते हैं। फ्रांस के मैकेनिकल इंजीनियर डेमियन और उसकी वकील प्रेमिका जेसी कैंडल डिनर के वक्त इस बात पर अफसोस जाहिर कर रहे हैं कि फ्रांस के लिए उड़ान भरने को अगले ही दिन उन्हें चले जाना है। ''हमारे पास और छुट्टियां होतीं तो रेत के टीबों के बीच की इन हवेलियों में शानदार ढंग से समय बिताया जा सकता था।卐 डिनर से ध्यान हटाकर यह जोड़ा सबसे पहले शेखावाटी फ्रेस्को नाम की किताब को धन्यवाद देता है, जिसे पढ़कर वे यहां आए। आगे की बात जेसी बोलती हैं, ''यहां की हवेलियां दूसरी हवेलियों से बिल्कुल अलग हैं, खासकर इस तरह की फ्रेस्को पेंटिंग तो पहले कभी नहीं देखी।

एक 'ओपन आर्ट गैलरी' के नाम से देश-विदेश में पहचान बना चुका शेखावाटी आज यूरोपीय पर्यटकों खासकर फ्रांसीसियों की पहली पसंद बन गया है। यहां आने वाला हर तीसरा पर्यटक फ्रांसीसी होता है। यकीन न हो तो पर्यटन विभाग के आंकड़े देख लें। शेखावाटी के तीन जिलों (सीकर, चूरू, झुंझुनूं) में से अकेले झुंझुनूं में पिछले साल 36,000 से ज्यादा विदेशी सैलानी आए। इनमें से 14,000 से ज्यादा फ्रांसीसी थे। सवाल यह है कि शेखावाटी पर ही फ्रांसीसियों का दिल क्यों रीझ रहा है?

ये भित्ति चित्र 150 से 200 साल पुराने हैं। इन्हें दीवार पर चूने का प्लास्टर करते वक्त बनाया जाता था। पत्थर की पिसाई कर उन्हें पेड़-पौधों की पत्तियों और प्राकृतिक रंगों के साथ गीले प्लास्टर में मिलाकर तालमेल से पेंटिंग हवेली की दीवारों पर उकेरा जाता था। गीले प्लास्टर में ये रंग पूरी तरह समा जाते थे। इस तरह के रंग फैलने की बजाए अंदर तक जड़ पकड़ कर लेते थे। तभी तो 200 वर्ष पुरानी ये पेंटिंग आज भी नयनाभिराम हैं।

यहां के होटल व्यवसायी दिनेश धाभाई मानते हैं, ''दुनिया में सबसे ज्यादा कला प्रेमी फ्रांसीसी लोग ही होते हैं। दूसरी ओर इस तरह की फ्रेस्को पूरी दुनिया में कहीं भी नहीं है, इसलिए ये लोग यहां आते हैं।'' फ्रेस्को के अलावा यहां की बड़ी-बड़ी हवेलियां, बेमिसाल बनावट, उत्कृष्ट कारीगरी, भित्ति चित्रों में राधा-कृष्ण, रामायण, महाभारत के चित्र, ढोला-मारू के अमर प्रेम प्रसंग के अलावा यहां की लोक रीतियां वगैरह को फ्रेस्को में उकेरा गया है।

शेखावाटी की ये हवेलियां गोयनका, सिंघानिया, पोद्दार और मोरारका जैसे देश के बड़े उद्योगपति/करोड़पति घरानों की हैं जहां अरसा पहले वे रहते थे। अब व्यवसाय के चलते ये घराने बाहर चले गए हैं।

मंडावा में चोखानी, गोयनका, लढिया, सनेहराम लढिया, मुर्रमुरिया, नेवतिया और झुनझुनवाला की हवेलियां पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इनमें से कइयों को देखने के लिए शुल्क तय है तो कई में प्रवेश निःशुल्क है। ये हवेलियां तकरीबन 150 वर्ष की उम्र पार कर चुकी हैं।

मंडावा के अलावा नवलगढ़, झुंझुनूं, फतेहपुर, मंडेला, रामगढ़, महनसर, चिड़ावा, चूरू, पिलानी, मुकुंदगढ़, डूंडलोद और सीकर की हवेलियां आज प्रदेश की विरासत का हिस्सा बन चुकी हैं, जो विदेशी पर्यटकों को लुभा रही हैं। कई हवेलियां तो बिक चुकी हैं, जिन्हें खरीदारों ने मरम्मत करवाकर होटल की शक्ल दे दी है।

मंडावा में पर्यटकों का आना-जाना 1990 में शुरू हुआ। प्रदेश के नीमराणा किले के मालिक अमन ने '80 के दशक में अपने एक फ्रांसीसी दोस्त वाजियां के साथ मिलकर शेखावाटी के फ्रेस्को चित्रों पर शेखावाटी फ्रेस्को नाम से एक किताब लिखी। यूरोप खासकर फ्रांस में यह किताब काफी लोकप्रिय हुई। इसी को पढ़कर बहुंत-से फ्रांसीसी मंडावा के लिए कूच करते हैं।

इन हवेलियों की बेजोड़ स्थापत्य कला और नयनाभिराम रंग-बिरंगी चित्रकारी के साथ एक दुखद पहलू भी जुड़ा है। मंडावा की लढिया हवेली में एक फ्रांसीसी परिवार दीवारों पर नजरें गड़ाए चित्रों को निहार रहा था। यह घुमक्कड़ परिवार साल में दो महीने घूमने पर खर्च करता है। इसी परिवार की सीवी विंसेंट को फ्रेस्को का नीला रंग बहुत आकर्षित करता है। उनके पति सीवी मार्टिन बगल के दूसरे चित्र देखने में मसरूफ थे। चित्र कैसे लगे? इस सवाल का उन्होंने जो जवाब दिया, वह सचमुच सोचने को मजबूर करता था। ''फ्रेस्को के बारे में सुना और परिवार को लेकर यहां देखने आ गया। लेकिन मुझे लगता नहीं कि मेरी आने वाली पीढियां भी इसे देख पाएंगी। तब तक ये शायद बचेंगी ही नहीं।÷ इसके बाद वे हंसते हुए जोड़ते हैं, ''अच्छा हुआ, मैं अपने दोनों बच्चों को साथ लेता आया।÷

मार्टिन की टिप्पणी एक बड़े सच को बयान करती है। मंडावा में दुनियाभर से आने वाले सैलानियों की संख्या में बेशक इजाफा हो रहा है लेकिन दूसरी ओर यह कहना मुश्किल है कि उन्हें आकर्षित करने वाली हवेलियां और उनकी दीवारों पर मोहित करने वाले भित्ति चित्र कब तक कायम रह सकेंगे? क्योंकि इन हवेलियों को न तो उनके मालिकों की तरफ से कोई मदद मिल रही है और न ही किसी तरह की सरकारी सहायता।

मंडावा के ही होटल हेरिटेज के मालिक मधुसूदन खेमानी इन हालात को एक संदर्भ में रखने की कोशिश करते हैं, ''सरकार को यहां पर्यटन के लिए अलग से कुछ करने की जरूरत ही नहीं। वह तो बस जो है उसी को बचा ले तो काफी है।÷ कनाडा से आए जोहान और चार्ल्स भी हवेलियों में घूमते हुए इनके भविष्य को लेकर अपनी आशंका जाहिर करते हैं, ''ये हवेलियां सचमुच अनूठी और बेशकीमती हैं। इनकी देखभाल बहुत जरूरी है वरना देखने को यहां कुछ भी नहीं बचेगा।÷

दरअसल इन हवेलियों पर सरकार का कोई अधिकार नहीं है। दूसरी ओर कुछेक हवेलियों को छोड़कर बाकी के मालिक इनकी खैर-खबर नहीं ले रहे हैं। हालांकि मालिकों ने चैकीदार के भरोसे इन्हें पयर्टकों के लिए जरूर खोल दिया। पर्यटन महकमे की उप-निदेशक डॉ। पुनीता सिंह बताती हैं, ''मंडावा की छतरियों पर काम करवाया गया है। और हवेलियां? ''इसके लिए जरूरी है कि हवेलियों के मालिक उनके संरक्षण/विकास का प्रस्ताव लेकर आएं। हमारा महकमा इसके लिए पूरी तरह से तैयार है।÷ दरअसल, इन हवेलियों के मालिक इस अंदेशे के शिकार हैं कि कल को सरकार हवेलियों पर मालिकाना हक न जताने लगे। ऐसे में दोनों पक्षों को बैठकर इस दिशा में कोई बीच का रास्ता निकालना होगा, वरना कुछ साल बाद यही कहने को बचेगा कि मंडावा कभी अपने भित्ति चित्रों के लिए दुनिया भर में मशहूर था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बार्सिलोना एफसी के अध्यक्ष बारटोमेन ने दिया इस्तीफा

बार्सिलोना। स्पेन के फुटबाल क्लब बार्सिलोना के अध्यक्ष जोसेफ मारिया बारटोमेन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बारटोमेन 2014 में सांद्रो रसेल की जगह बार्सिलोना एफसी के नए अध्यक्ष बने थे। बोरटोमेन के साथ साथ बोर्ड के बाकी निदेशकों ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और 90 दिनों के अंदर नए अध्यक्ष के लिए चुनाव किया जाएगा। बारटोमेन ने एक बयान में कहा, यह एक विचारशील, शांत और मेरे निदेशकों द्वारा इस्तीफा देने का सामूहिक निर्णय है, जिन्होंने पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ मेरा साथ दिया और उन्होंने बार्सिलोना के लिए कई बलिदान दिए। बारटोमेन ने साथ ही कहा बार्सिलोना एक नए यूरोपीय सुपर लीग में शामिल होने पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल होने से क्लब की वित्तीय स्थिरता आगे बढ़ने की गारंटी होगी। 57 वर्षीय पूर्व अध्यक्ष ने हालांकि प्रस्तावित सुपर लीग के किसी भी विवरण का खुलासा नहीं किया और न ही यह बताया कि स्पेन की ला लीगा जैसी घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए इसका क्या महत्व होगा।

जीत के लिए बेताब केकेआर के समीकरण बिगाड़ने उतरेगा चेन्नई सुपर किंग्स

दुबई।

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बाकी टीमों के समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगी और इसमें उसका पहला निशाना जीत के लिये बेताब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) होगा जिसके खिलाफ उसे गुरुवार को यहां मैच खेलना है। केकेआर के 12 मैचों में 12 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में जगह सुरक्षित करने के लिये अगले दोनों मैच जीतने होंगे। चेन्नई आठ टीमों की तालिका में अंतिम स्थान पर है और उसकी टीम अब प्रतिष्ठा की खातिर मैदान पर उतरेगी। टूर्नामेंट के इस दौर में कुछ टीमों की हार जीत से कई टीमें 14 या 16 अंक तक पहुंच सकती हैं और ऐसे में बेहतर रन गति से प्लेऑफ के स्थानों का निर्धारण होगा। इसे ध्यान में रखते हुए केकेआर के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण है। केकेआर के लिए चेन्नई के खिलाफ काम आसान नहीं होगा। चेन्नई ने अपने पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी थी। केकेआर का बल्लेबाजी क्रम इयोन मोर्गन के लिये चिंता का विषय है और उन्हें उम्मीद होगी कि अब जबकि टीम को सख्त जरूरत है तब पूर्व कप्तान दिनेश कार्तिक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। नितीश राणा का प्रदर्शन भी उतार चढ़ाव वाला रहा है। उसके बाकी बल्लेबाजों के प्रदर्शन में भी निरंतरता का अभाव है। गेंदबाजों ने केकेआर की तरफ से अभी तक अच्छी भूमिका निभाई है। तमिलनाडु के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती प्रभावशाली रहे हैं और अपने अच्छे प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में भी जगह मिली है। केकेआर के गेंदबाजों को चेन्नई के बल्लेबाजों के सामने किसी भी तरह की ढिलायी बरतने से बचना होगा। चेन्नई के बल्लेबाज भी निरंतर एक जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं लेकिन जब उनका दिन होता है तो वे किसी भी तरह के आक्रमण धज्जियां उड़ा सकते हैं। पहली बार प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाले चेन्नई के सामने कोलकाता के बल्लेबाजों को विविधतापूर्ण आक्रमण की चुनौती से पार पाना होगा। मिशेल सेंटनर को अंतिम एकादश में शामिल किये जाने के बाद चेन्नई की गेंदबाजी को मजबूती मिली है। आरसीबी पर जीत से चेन्नई के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। युवा रुतुराज गायकवाड़ ने पिछले मैच में शानदार पारी खेली और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी उनसे इसी फार्म की उम्मीद कर रहे होंगे।

श्रीलंका, आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेंगी

जोहान्सबर्ग।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने 2020-21 सीजन के लिए घरेलू अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की घोषणा कर दी है, जिसमें वह इंग्लैंड, श्रीलंका, आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की टीमों की मेजबानी करेगी। घरेलू सीजन के अनुसार, दक्षिण अफ्रीकी टीम इंग्लैंड के खिलाफ 27 नवंबर से नौ दिसंबर तक तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरहज खेलेगी। इसके बाद वह 26 दिसंबर से सात जनवरी तक श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद आस्ट्रेलियाई टीम फरवरी-मार्च में तीन टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। आस्ट्रेलिया के बाद पाकिस्तान भी अप्रैल के अंत में तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलने की दक्षिण अफ्रीका जाएगी। सीएसए के कार्यवाहक सीईओ कुगेंद्री गोवेंडर ने एक बयान में कहा, हमें घरेलू सीजन के लिए पुरुषों के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हमारे क्रिकेट फैन्स के लिए अधिक खुशखबरी देने के लिए यह एक खुशी है। पिछले सप्ताह की पुष्टि के बाद इंग्लैंड के खिलाफ मैचों और घरेलू सीजन का कार्यक्रम जारी।

सारलोरलक्स ओपन : मालविका टूर्नामेंट के पहले दौर में ही हार कर हुई बाहर

सारब्रकेन :

भारतीय शटलर मालविका बंसौड़ सारलोरलक्स ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में एस्तोनिया की क्रिस्टीन कूबा से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गयी। कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के बाद अपना पहला मैच खेल रही 19 वर्षीय भारतीय को क्रिस्टीन से 12-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। पिछले साल सीनियर सर्किट में लगातार खिताब जीतने वाली मालविका शुरू में ही पिछड़ गई। उनकी अनुभवी प्रतिद्वंद्वी ने इंटरवल तक 11-4 से बढ़त बनायी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। दूसरे गेम में मालविका ने लय हासिल की और इंटरवल तक वह 10-11 से ही पीछे थी। इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक बनाकर 17-15 से बढ़त हासिल की लेकिन क्रिस्टीन ने अच्छी वापसी करके मैच अपने नाम किया। मौजूदा चैंपियन लक्ष्य सेन, 2018 के चैंपियन शुभंकर डे और अजय जयराम भी इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं।

डे नाइट टेस्ट से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बचाने के अभियान की शुरुआत करेगा भारत

मेलबर्न।

विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम 17 दिसंबर से एडिलेड में मेजबान आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले डे नाइट टेस्ट मैच से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगा। बुधवार को इसकी पुष्टि की गई। एडिलेड में होने वाले पहले डे नाइट टेस्ट मैच के बाद दोनों टीमें 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में दूसरा टेस्ट, सात जनवरी 2021 से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एसजीसी) में तीसरा टेस्ट और 15 जनवरी 2021 से गॉबा में चौथा और अंतिम टेस्ट मैच खेलेगी। एडिलेड टेस्ट भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पहला डे नाइट टेस्ट मैच होगा। दोनों टीमें अब तक एक भी डे नाइट टेस्ट मैच नहीं हारी है। भारत ने अब तक का अपना एकमात्र डे नाइट टेस्ट मैच 2019 में ईडन गॉर्डन में बांग्लादेश के खिलाफ जीता था। आस्ट्रेलिया ने एडिलेड में अब तक न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ चार डे नाइट टेस्ट मैच खेले हैं और चारों में उसे जीत हासिल हुई है। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में आस्ट्रेलिया अभी टॉप पर है। भारत ने 2018-19 के आस्ट्रेलिया दौरे पर चार मैचों की टेस्ट सीरीज में तीन टेस्ट जीते थे और वह पहली बार आस्ट्रेलिया की धरती पर सीरीज जीतने में सफल रही थी। भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के साथ आस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत करेगी। दोनों टीमों के बीच पहला और दूसरा वनडे सिडनी में 27 और 29 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद तीसरा और अंतिम वनडे दो दिसंबर को कैनबरा में होगा। वनडे सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली टी 20 सीरीज कैनबरा और सिडनी में खेले जाएंगे। पहला मैच चार दिसंबर को कैनबरा में जबकि सीरीज के बाकी दो मैच छह और आठ दिसंबर को सिडनी में खेले जाएंगे। आस्ट्रेलिया ने अपनी पिछली वनडे सीरीज विश्व चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ जीती थी जबकि भारत का पिछले पांच वर्षों में आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में 12-10 का रिकॉर्ड रहा है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की भी घोषणा की है। टेस्ट सीरीज से पहले इंडिया-ए आस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां वह छह से आठ दिसंबर तक ओवल में मैच खेलेगी। इसके अलावा भारतीय टीम आस्ट्रेलिया-ए के साथ सिडनी में 11 से 13 दिसंबर तक एक डे नाइट टेस्ट मैच खेलेगी। भारतीय टीम 12 नवंबर को सिडनी पहुंचेगी और 27 नवंबर को होने वाले सीरीज के पहले मैच से पहले 14 दिन तक क्वारंटीन में रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

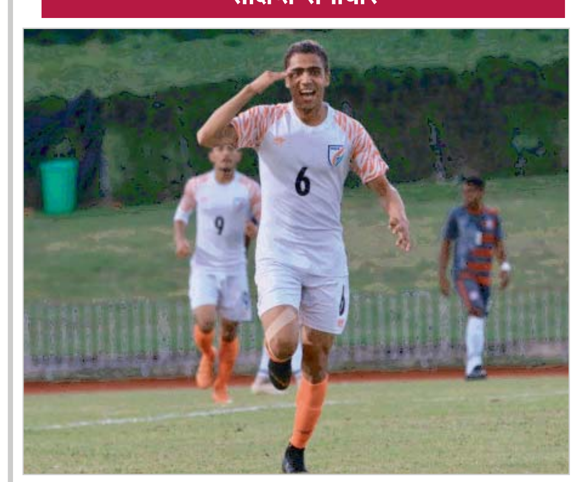

भारतीय टीम अंडर-17 फीफा विश्व कप के लिए कर सकती है क्वालीफाई : विक्रम सिंह

नई दिल्ली। भारत की अंडर-16 टीम के पूर्व कप्तान विक्रम प्रताप सिंह को लगता है कि कोच बिबियानो फर्नांडेज के मार्गदर्शन में तैयारी कर रही देश की मौजूदा अंडर-16 टीम फीफा अंडर-17 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का दम रखती है। विक्रम ने कहा मौजूदा टीम उनकी टीम से बेहतर है जो दो साल पहले डायरेक्ट क्वालीफाई करने से 90 मिनट से चूक गई थी। एआईएफएफ डॉट टीवी से बात करते हुए विक्रम ने कहा, मैंने मौजूदा अंडर-16 टीम देखी है और मुझे लगता है कि वह हमसे बेहतर हैं। यह टीम जैसा प्रदर्शन कर रही है वैसा करती रही तो वह अंडर-17 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। एएफसी अंडर-16 चैम्पियनशिप-2018 में टीम को क्वार्टर फाइनल में ले जाने वाले विक्रम ने कहा, युवा स्तर पर काफी काम किया जाना है। मुझे लगता है कि हमारी अंडर-16 टीम एएफसी चैम्पियनशिप के लिए हर बार क्वालीफाई करती रहेगी और उम्मीद है कि हम जल्दी विश्व कप खेलेंगे। मौजूदा खिलाड़ियों का गेंद पर अच्छा नियंत्रण है। उनको देख अच्छा लगता है।

पाकिस्तान-जिम्बाब्वे टीम के सभी खिलाड़ियों, स्टाफ का कोरोना टेस्ट नेगेटिव

रावलपिंडी। पाकिस्तान और जिम्बाब्वे टीम के सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का कोविड-19 टेस्ट नेगेटिव पाया गया है। दोनों टीमें शुक्रवार से सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को एक बयान में कहा, जिम्बाब्वे और पाकिस्तान के खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और मैच अधिकारियों सहित कुल 107 कोविड-19 टेस्ट नेगेटिव आए हैं। इन दोनों टीमों के बीच इस सप्ताह से शुरू होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज से पहले ये टेस्ट कराए गए। बोर्ड ने कहा, सभी 107 लोग एक पंचतारा होटल में चले गए और अब वे जैव सुरक्षित वातावरण में एक दूसरे से मिल सकते हैं। अनुभवी अंपायर अलीम डार को सीमित ओवरों की सीरीज के छह मैचों में से पांच मैचों के लिए मैदानी अंपायर नियुक्त किया गया है। अलीम डार के अलावा एहसान रजा, आसिफ याकूब, राशिद रियाज और शोजाब रजा को भी अंपायर नियुक्त किया है। जिम्बाब्वे को रावलपिंडी में 30 अक्टूबर, एक नंबर और तीन नवंबर को वनडे मैच खेलने हैं। वनडे सीरीज विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है। इसके बाद उसे लाहौर में सात, आठ और 10 नवंबर को टी 20 मैच खेलने है।

आईपीएल दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट : गांगुली

नई दिल्ली।

बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा 13वें सीजन को मिल रही वर्चुअल दर्शकों की संख्या और रेटिंग से काफी खुश हैं। आईपीएल का आयोजन पहले मार्च में किया जाना था, लेकिन कोरोना के कारण इसे अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। बीसीसीआई ने बाद में इसका आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में करने का फैसला किया था। गांगुली ने स्टार स्पोटर्स के क्रिकेट लाइव शो में कहा, अविश्वसनीय और मुझे बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ। जब हम स्टार (ड्रीम 11 आईपीएल का आधिकारिक प्रसारणकर्ता) और इससे संबंधित सभी लोगों के साथ चर्चा कर रहे थे - अगर हमें इस साल इसका आयोजन करना है और टूर्नामेंट से एक महीने पहले, हम इस पर विचार कर रहे थे, क्या ऐसा हो सकता है या नहीं, बायो बबल का क्या अंतिम परिणाम होगा और क्या यह सफल होगा। उन्होंने कहा, हमने अपनी योजना के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया क्योंकि हम सभी के जीवन में सामान्य स्थिति लाना चाहते थे और खेल को वापस लाना चाहते थे। इसे मिल रही प्रतिक्रिया से मैं हैरान नहीं हूं। यह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट है। आईपीएल के 13वें सीजन के पहले सप्ताह में करीब 26 करोड़ 90 लाख लोगों ने मैच देखा था, जोकि पिछले साल की तुलना में प्रति मैच 1.1 करोड़ ज्यादा है। टीवी की व्यूवरशिप मॉनिटर करने वाली एजेंसी बार्क नील्सन ने टेलीविजन व्यूवरशिप एंड एडवरटाइजिंग कंजम्पशन ऑफ आईपीएल-13 2020 नामक अपनी रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा संस्करण के पहले सप्ताह में प्रत्येक मिनट में दर्शकों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 15 फीसदी इजाफा देखने को मिला है। आईपीएल 13 में कई सुपर ओवर हो चुके हैं और यह कई रोमांचक संघर्षों का गवाह बना है। उन्होंने कहा, इतने सारे सुपर ओवर हुए, हमने हाल ही में एक डबल सुपर ओवर देखा, हमने शिखर धवन की बल्लेबाजी देखी, हमने रोहित शर्मा को देखा, हमने सभी युवा खिलाड़ियों को देखा और हमने लोकेश राहुल की टीम किंग्स इलेवन पंजाब की अंकतालिका में नीचे से ऊपर की वापसी देखी। गांगुली ने कहा, आपको यहां सबकुछ मिल जाएगा। मैं आपको बता सकता हूं कि इस साल आईपीएल एक सफल रहा है चाहे वो रेटिंग के मामले में हो या खेल को देखने वालों की संख्या के मामले में। टूर्नामेंट का लीग चरण इस सप्ताह समाप्त होने वाला है जबकि अगले सप्ताह प्लेऑफ खेला जाएगा और इसका फाइनल 10 नवंबर को दुबई में होगा।

रबादा-राहुल शीर्ष पर, हैदराबाद छठे नंबर पर

दुबई। आईपीएल-13 में 47 मैचों की समाप्ति के बाद किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने ऑरेंज कैप और दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबादा ने पर्पल कैप अपने पास ही रखा है। रबादा सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर हैं। रबादा ने 12 मैचों में अब तक 23 विकेट लिए हैं। किंग्स इलेवन पंजाब के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 12 मैचों में 20 विकेट से दूसरे नंबर पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के राशिद खान 12 मैचों में 17 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजों की सूची में राहुल के 12 मैचों में 595 रन हैं। दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के शिखर धवन हैं, जिनके नाम 11 मैचों से 471 रन हैं। हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर 12 मैचों में 436 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस बीच, सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। टीम ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 88 रनों से हराया है। हैदराबाद के 10 मैचों से 12 अंक हो गए हैं और वह अभी प्लेआफ की रेस में बनी हुई है।

भारतीय टीम की ट्रेनिंग के लिए डब्ल्यूबीबीएल के 4 मैचों के स्थान बदले

मेलबर्न।

भारतीय टीम को बायो स्कियोर ट्रेनिंग माहौल का फायदा देने के लिए महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के छठे सीजन के चार मैचों के स्थान को बदला गया है। 17 और 18 नवंबर को ब्लैकटाउन इंटरनेशनल स्पोर्टपार्क में होने वाले मैचों को सिडनी शोग्राउंड स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है। जो चार मैच स्थानांतरित किए गए हैं उनमें सिडनी सिक्सर्स बनाम ब्रिस्बेन हीट, सिडनी थंडर बनाम मेलबर्न रेनेगेड्स, ऐडिलेड स्ट्राइकर्स बनाम मेलबर्न रेनेगेड्स, सिडनी थंडर बनाम सिडनी सिक्सर्स के मैच हैं। भारतीय टीम 12 नवंबर को सिडनी पहुंचेगी। जहां वो क्वारंटीन में रहेगी और इसके बाद तीन वनडे मैचों, तीन टी-20 और चार मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। तीन वनडे में दो सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 27 से 29 नवंबर के बीच खेले जाएंगे। तीसरा वनडे दो दिसंबर को मनुका ओवल कैनबरा में खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज का पहला मैच चार दिसंबर को मनुका ओवल पर खेला जाएगा। छह और आठ दिसंबर को एससीजी पर बाकी दो टी-20 मैच खेले जाएंगे। टेस्ट सीरीज की शुरुआत 17 दिसंबर से एडेलिड में दिन-रात टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद 26 दिसंबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। सात जनवरी को एससीजी में तीसरा टेस्ट और 15 जनवरी को गाबा में चौथा टेस्ट मैच होगा।

गोपीचंद से प्रेरित मानसी, पैरा एथलीटों के लिए कुछ अलग करना चाहती हैं

मुंबई।

मौजूदा पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियन मानसी जोशी राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद से प्रेरणा ले रही हैं और उनका लक्ष्य संन्यास के बाद पैरा एथलीटों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना है। 2014 में पेशेवर बैडमिंटन की शुरुआत करने वाली मानसी पिछले दो साल से गोपीचंद के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह पैरा एथलीटों के प्रति लोगों का नजरिया बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। मानसी ने भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के ऑनलाइन टॉक शो इन द स्पोर्टलाइट में बातचीत के दौरान कहा, बैडमिंटन के बाद मैं उस स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी, जो भारत में दिव्यांगता के प्रति लोगों का नजरिया बदले। मैं भविष्य की पीढ़ी के लिए इसे बेहतर बनाना चाहती हूं। ओलंपिक पदक विजेता कोच गोपीचंद ने मानसी जोशी की तकनीकी और फुर्ति शैली में सुधार कराया है। मानसी जोशी का मानना है कि गोपीचंद के साथ ट्रेनिंग शुरू करने से उन्हें विश्वास हुआ कि वह बेहतर खिलाड़ी हैं। मानसी ने कहा, गोपीचंद हमेशा सलाह देते हैं कि जोर लगाओ और काम करते रहो। जब आप मैच या टूर्नामेंट के लिए बाहर हो तो सबसे महत्वपूर्ण सलाह आपको कोच से ही मिलती है। गोपी सर छोटी चीजों पर भी ध्यान देते हैं और मुझे सर्वश्रेष्ठ से तकनीकी चीजें सीखने को मिल रही हैं। 31 वर्षीय मानसी एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीत चुकी हैं और उनका मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से पैरा बैडमिंटन का विकास हुआ है। उन्होंने कहा, 2015 से पैरा बैडमिंटन ने गति पकड़ी है और क्षमतावान शरीर वाले बैडमिंटन लोगों को भी यह पसंद आ रहा है। हमारे देश में यह दूसरा सबसे पसंदीदा खेल है। मैं देख रही हूं कि लोगों ने पैरा बैडमिंटन को करियर बनाने के बारे में सोचना शुरू कर दिया है। मुझे दिख रहा है कि अगले पांच सालों में ज्यादा से ज्यादा लोग पैरा स्पोर्ट्स में अपना करियर बनाते दिखेंगे। लोग इसे उच्च स्तर तक लेकर जाना चाहेंगे।

भारत के साथ होने वाले मुकाबले पर है स्टार्क की नजर

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम को टेस्ट, वनडे और टी20 सीरीज के लिए आस्ट्रेलिया दौरा करना है और मेजबान टीम के स्टार फास्ट बॉलर मिशेल स्टार्क इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। स्टार्क ने भारत के साथ हुई आखिरी सीरीज में सात पारियों में 13 विकेट लिए थे। चार मैचों की टेस्ट सीरीज में स्टार्क का प्रदर्शन अपने साथियों-नेथन लॉयन और पैट कमिंस से खराब रहा था। इस बार स्टार्क हालांकि किसी को कोई मौका नहीं देना चाहते हैं और इसी कारण वह पूरी तरह अपना ध्यान क्रिकेट पर लगाए हुए हैं। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एटू ने स्टार्क के हवाले से लिखा है, मैं अभी किसी भी चीज पर ध्यान नहीं दे रहा हूं। मैं इस साल जितना हो सके तेज बॉलिंग करने की कोशिश में हूं क्योंकि मेरा लक्ष्य टेस्ट सीरीज है और मैं इस बार अधिक से अधिक विकेट लेना चाहता हूं। स्टार्क ने कहा कि वह बाहर की राय पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा, जब तक मेरे आसपास मेरे लोग हैं, जिन पर मुझे भरोसा है, बाहर से मिलने वाले उस सकारात्मक सुदृढीकरण से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल शेफील्ड शील्ड गेम्स के दौरान उन्होंने जो तकनीकी बदलाव किए हैं, उससे उन्हें मदद मिली है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

द कपिल शर्मा शो के आने वाले एपिसोड में वरुण धवन और सारा अली खान)अपनी फिल्म कुली नंबर 1 का प्रमोशन करते दिखाई देंगे.

कुली नंबर 1' की कास्ट के साथ

कपलि शर्मा शो में दिखेंगे वरुण धवन और सारा अली खान

मुंबई. कॉमेडियन कपिल शर्मा के कॉमेडी टीवी शो द कपिल शर्मा शो की लोकप्रियता पहले की तरह बनी हुई है. कपिल शर्मा अपने इस शो में बॉलीवुड के कलाकारों को बुलाते रहते हैं, लेकिन बॉलीवुड के एक्टर और एक्टर्स अपनी फिल्मों का प्रमोशन करने उनके चैट शो पर पहुंचते रहते हैं.

द कपिल शर्मा शो के आने वाले एपिसोड में वरुण धवन और सारा अली खान अपनी फिल्म कुली नंबर 1 का प्रमोशन करते दिखाई देंगे. अपने ओटीटी प्लेटफार्म पर पिछले छह महीनों में 10 फिल्मों का प्रीमियर करने के बाद, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो ने हाल ही में पांच भाषाओं में नौ फिल्मों का प्रीमियर करने की घोषणा की है. इसमें साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर, वरुण धवन और सारा अली खान स्टारर फिल्म कुली नंबर 1 शामिल है.

इस फिल्म का प्रीमियर क्रिसमस के मौके पर किया जाएगा. कुली नंबर 1 की टीम ने रिलीज से बहुत पहले प्रोमोशन कैंपेन की शुरुआत कर दी है. इस फिल्म का प्रमोशन करने के लिए लीड एक्टर वरुण धवन और सारा अली खान ने बाकी कलाकारों के साथ लोकप्रिय कॉमेडी-चैट शो, द कपिल शर्मा शो का रुख किया है.

फिल्म 'कुली नंबर 1' पूजा एंटरटेनमेंट की लोकप्रिय फ्रैंचाइज़ी पर आधारित एक पारिवारिक कॉमेडी है और इसे कॉमेडी के किंग डेविड धवन ने निर्देशित किया है. फिल्म में वरुण धवन, सारा अली खान, परेश रावल, जावेद जाफरी, जॉनी लीवर, राजपाल यादव सहित अन्य कलाकार नज़र आएंगे. इस फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने किया है.

फिल्ममेकर महेश भट्ट और मुकेश भट्ट ने लवीना लोध पर किया एक करोड़ का मानहानि का केस

फिल्म निर्माता महेश भट्ट और उनके भाई मुकेश भट्ट (ने एक्ट्रेस लवीना लोध के खिलाफ मानहानिकारक और झूठे आरोप लगाने के लिए सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में मानहानि का केस दर्ज करा दिया. भट्ट भाइयों ने लोध से एक करोड़ रुपए का हर्जाना भी मांगा है और भविष्य में उन्हें इस तरह के झूठे दावे करने से रोकने को लेकर आदेश दिए जाने का अनुरोध किया है.

दोनों की अर्जी शीघ्र सुनवाई के लिए सोमवार को न्यायमूर्ति एके मेनन की एकल पीठ के समक्ष सूचीबद्ध हुई. पीठ ने इस पर सुनवाई की और लोध को इस पर एक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. एकल पीठ अब इस मामले की सुनवाई तीन सप्ताह बाद करेगा.

लोध के वकील ने अदालत को भरोसा दिलाया कि वह महेश भट्ट और मुकेश भट्ट के खिलाफ ऐसा कोई बयान न देंगी न प्रकाशित करेंगी. लोध ने गत सप्ताह एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनका विवाह महेश भट्ट के भांजे सुमित सभरवाल से हुआ है.

वकील के माध्यम से भट्ट भाइयों ने लोध को भेजा था नोटिस

लोध ने वीडियो में आरोप लगाया है कि सभरवाल ड्रग्स और मानव तस्करी के अवैध व्यापार में लिप्त है. लोध ने यह भी आरोप लगाया कि यह व्यापार महेश भट्ट संचालित करते हैं. वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद, महेश भट्ट ने अपने वकील अमीत नाइक के माध्यम से लोध को एक कानूनी नोटिस भेजा और उन्हें इस तरह के झूठे बयान नहीं देने को कहा.

सोमवार को, भट्ट भाइयों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में एक केस दायर किया गया जिसमें लोध को उनके खिलाफ कोई भी मानहानिकारक और अपमानजनक टिप्पणी करने, प्रकाशित करने और प्रसारित करने से रोकने का अनुरोध किया गया है. वाद में विभिन्न प्रकार के अपमानजनक, गलत और झूठे आरोपों और बयानों के लिए प्रतिवादी (लोध) से एक करोड़ रुपए का हर्जाना भी मांगा गया है.' इसमें लोध को यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है वह अपना वीडियो हटा लें.

वाद में दावा किया गया है कि सभरवाल का भट्ट भाइयों से कोई सीधा संबंध नहीं और वह 'अर्जीकर्ताओं की बहन के पति के भाई के बेटे हैं.' वाद में यह भी कहा गया है कि लोध ने अपने पति से तलाक के मामले में मनमाफिक समझौते के इरादे से महेश और मुकेश भट्ट के खिलाफ झूठे आरोप लगाए हैं, जो फेमस शख्सियत हैं.

'रा.वन' के 9 साल पर बोले निर्देशक अनुभव सिन्हा, मुझे एक और सुपरहीरो फिल्म बनानी चाहिए

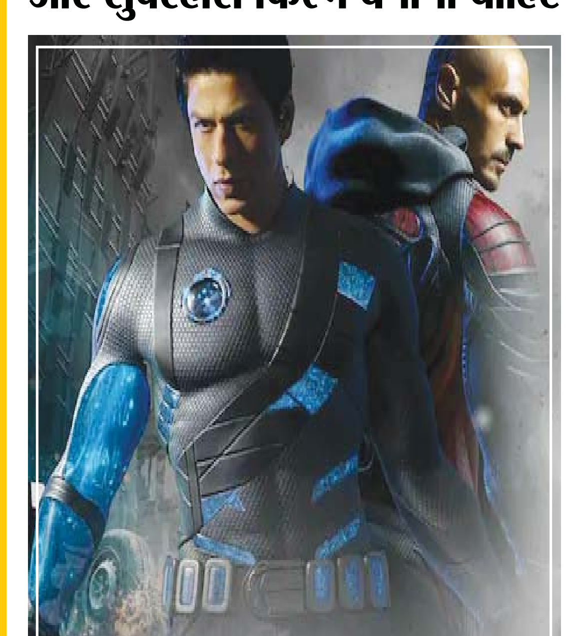

फिल्म 'रा.वन' के 9 साल होने पर फिल्मकार अनुभव सिन्हा (Filmmaker Anubhav Sinha) ने सोमवार को कहा कि शाहरुख खान (Shahrukh Khan) स्टारर उनकी महत्वाकांक्षी फिल्म 'रा.वन' एक उपलब्धि और निराशा, दोनों ही थी.

फिल्मकार अनुभव सिन्हा (Filmmaker Anubhav Sinha) ने सोमवार को कहा कि शाहरुख खान (Shahrukh Khan) स्टारर उनकी महत्वाकांक्षी फिल्म 'रा.वन' एक उपलब्धि और निराशा, दोनों ही थी. सिन्हा का मानना है कि उन्हें प्रबल भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक और सुपरहीरो फिल्म बनानी चाहिए. 26 अक्टूबर 2011 को रिलीज हुई फिल्म 'रा.वन' में शाहरुख खान ने एक सुपरहीरो की भूमिका निभायी थी जो कि इस तरह की भूमिका वाली उनकी पहली फिल्म थी. इस फिल्म को उस वर्ष की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना गया था.

हालांकि फिल्म 'रा.वन' की समीक्षा खराब आई थी और यह फिल्म बॉक्स आफिस पर प्रभाव डालने में असफल रही. फिल्म के रिलीज होने की नौवीं वर्षगांठ पर सिन्हा ने कहा कि फिल्म की रिलीज ने उन्हें 'खट्टा मीठा' अनुभव दिया.

अनुभव सिन्हा ने ट्वीट किया, 'नौ साल पहले इस दिन हमने फिल्म 'रा.वन' रिलीज की थी. संभवत- यह मेरे जीवन का सबसे 'खट्टा मीठा' अनुभव रहा. यह कई मायने में उपलब्धि और निराशा वाला था.' उन्होंने कहा कि, 'मुझे अपनी प्रबल भावनाओं को जाहिर करने के लिए एक और सुपरहीरो फिल्म बनानी चाहिए. धन्यवाद टीम और माफी चाहता हूं. आप सभी को प्यार.'

फिल्म में करीना कपूर खान (Kareena Kapoor Khan) और अर्जुन रामपाल (Arjun Rampal) ने भी भूमिका निभाई थी और इस फिल्म की उसके स्पेशल इफेक्ट्स के लिए प्रशंसा की गई थी, हालांकि कमजोर पटकथा के लिए इसकी आलोचना भी की गई थी.

सेट पर वापसी कर बोलीं एक्ट्रेस

श्रुति हासन अधिक हिंदी फिल्में नहीं करने से मायूस नहीं

लोकप्रिय एक्ट्रेस श्रुति हासन ने लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील के बाद सेट पर वापसी कर ली है. वापसी कर उन्होंने कहा है कि वे बॉलीवुड की और अधिक फिल्मों में एक्टिंग नहीं करने से परेशान और मायूस नहीं हैं. उन्होंने 2009 में हिंदी फिल्म लक से बॉलीवुड में पदार्पण किया था.

उनकी आखिरी हिंदी फिल्म बहन होगी तेरी साल 2017 में रिलीज हुई थी. बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक्टर कमल हासनकी बेटी श्रुति हासन ने दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपना मुकाम स्थापित किया है. उन्होंने तमिल, हिंदी तथा तेलुगु भाषा में कई कामयाब फिल्में दीं हैं. उनसे पूछा गया कि क्या और अधिक हिंदी फिल्मों में अभिनय नहीं कर पाने के कारण वह निराश हैं तो एक्ट्रेस श्रुति हासन ने कहा, 'मैं निराश नहीं हूं. मैं उन सभी फिल्मों के लिए खुश हूं जो मैंने सभी भाषाओं में की हैं.' वह लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील के बाद सेट पर वापस आ गई हैं लेकिन उन्हें यह सब अब अजीब सा लग रहा है.श्रुति हासन ने कहा, 'यह निश्चित तौर पर अजीब सा अनुभव है. करीब छह महीने तक अकेले रहने के बाद पहले मैंने एक लघु फिल्म के लिए शूटिंग की.' उन्होंने कहा कि, 'कुल मिलाकर मेरा मानना है कि हम सुरक्षा की व्यवस्था में सुधार कर सकते हैं, खासकर फिल्म के सेट पर जहां बड़ी संख्या में लोग होते हैं.' एक्ट्रेस इस समय हैदराबाद में तेलुगु फिल्म 'क्रैक' की शूटिंग कर रही हैं. गोपीचंद मलिनेनी निर्देशित फिल्म में रवि तेजा लीड रोल में हैं.

भागलपुर में पहले चरण में हुआ बंपर वोटिंग. वोटिंग के मामले आधी आबादी ने पुरुषों को दी शिकस्त

भागलपुर (एजेंसी) जिले के कहलगांव और सुलतानगंज विधानसभा में शांतिपूर्ण माहौल में बंपर वोटिंग हुई हैं। यहीं नहीं वोटिंग के मामले में आधी आबादी की बात करें तो इन्होंने इन्होंने पुरुषों को शिकस्त दे दी हैं।

वहीं इसकी प्रेस वार्ता के दौरान इसकी जानकारी देते हुए जिलाधिकारी प्रणव कुमार ने बताया कि जिले में शाम 6 बजे तक 55.7 प्रतिशत वोटिंग हुई हैं। हालांकि शाम 6 बजे तक कई लोग वोटिंग के लिए लाइन में भी लगे हुए थे इसलिए इस आंकड़े में कुछ परिवर्तन होने की भी संभावना हैं। वहीं कहलगांव में 54.3 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहां भी महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। पुरुषों का मतदान प्रतिशत 53.5 प्रतिशत है जबकि 55.1 प्रतिशत महिलाओं ने वोटिंग किया हैद्य इसी प्रकार सुलतानगंज में कुल 57.1 प्रतिशत

वोटिंग हुई। जिसमें 56.2 प्रतिशत पुरुषों ने वोटिंग किया तो महिला की हिस्सेदारी 58 प्रतिशत रही है। वहीं दूसरी ओर डीएम की मानें तो दोनों विधानसभा के कुल 55.7 प्रतिशत वोटिंग हुई है। जिसमें 56.2 प्रतिशत पुरुष और 58 प्रतिशत महिला शामिल है।

'महिला आईटीआई कालेज में बना स्ट्रांग रूम.........कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कल प्रातः 11 बजे से होगी स्क्रुटनी'

प्रेस वार्ता में डीएम प्रणव कुमार ने महिला आईटीआई कॉलेज में स्ट्रांग रूम बनाने की बात कही। जिलाधिकारी ने कहा कि देर शाम तक सभी ईवीएम और वीवीपीएटी मशीन को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वहां रखा जाएगा। इसके साथ ही 29 अक्टूबर को प्रातः 11:00 बजे से स्कूटनी की जाएगी। इस दौरान मौके पर सभी पीठासीन पदाधिकारी और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। वही मॉक पोल में 12 बैलेट यूनिट, 09 कंट्रोल यूनिट और 19 वीवीपीएटी मशीन ठीक नहीं पाया गया।

इस दौरान डीएम ने कहा कि किसी भी बूथ से लंबे समय तक ईवीएम के खराब होने और बूथ पर किसी के द्वारा मतदान बाधित करने की जानकारी नहीं मिली है।

कृषि मंत्री और बीजेपी नेता प्रेम कुमार के बयान ने बढ़ाया बिहार का सियासी पारा

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को चुनावी परीक्षा का आगाज हो गया है। पहले चरण के लिए 71 सीटों पर मतदान हो रहा है। कई मंत्रियों और बड़े नेताओं के बेटे–बेटियों की साख दांव पर है। इस बीच बिहार के कृषि मंत्री और बीजेपी नेता प्रेम कुमार ने भी वोट किया, साथ ही सियासी हलचल बढ़ाने वाला एक बयान भी दे दिया। प्रेम कुमार से सवाल किया गया कि क्या चुनाव के बाद एलजेपी के साथ सरकार बन सकती है, इसके जबाव में उन्होंने कहा कि पार्टी जो फैसला लेगी, उसका स्वागत होगा। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता बिहार का विकास है और पार्टी जो फैसला करेगी हम उसके साथ है।

प्रेम कुमार का बयान इसकारण अहम है, क्योंकि जब से एलजेपी ने बीजेपी और जेडीयू से अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया है तब से ही बीजेपी की तरफ से ये कहा जा रहा है कि एलजेपी का एनडीए से कोई संबंध नहीं है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत पार्टी के तमाम नेता और मंत्री ये कहते रहे हैं कि चाहे बीजेपी की ज्यादा सीटें आ जाएं मगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनने वाले है।

दूसरी तरफ चिराग ने जेडीयू और नीतीश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेकर वहां बीजेपी के साथ बिहार में अगली सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, चिराग पासवान ने उन सीटों पर अपनी पार्टी एलजीपे के उम्मीदवार नहीं उतारे हैं, जहां बीजेपी लड़ रही है। साथ ही सार्वजिनक तौर पर ये अपील भी कर चुके हैं

मुंगेर फायरिंग पर राजद और कांग्रेस ने राज्य सरकार को घेरा, पूछा किसकी शह पर जनरल डायर बनीं एसपी लिपि ?

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव में पहले चरण के मतदान के दौरान ही महागठबंधन ने मुंगेर फायरिंग पर जेडीयू और भाजपा को पर निशाने पर लिया है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर आपने थोड़ा सा भी विवेक बचा है तो मां दुर्गा के भक्तों पर गोली चलाने और उनकी हत्या करनेवाली सरकार को बर्खास्त करके जाइएगा।

पीएम मोदी की आज बिहार में तीन रैलियां हैं। इसी को लेकर सुरजेवाला ने उनपर तंज कसा है। सुरजेवाला ने कहा कि अगर नीतीश कुमार और सुशील मोदी की सरकार को प्रधानमंत्री ने बर्खास्त नहीं किया तो साफ हो जाएगा कि कहीं न कहीं उनकी प्रत्यक्ष या परोक्ष संलिप्तता इसमें है। यह भी साफ हो जाएगा कि सं. स्कार और संस्कृति भारतीय जनता पार्टी के लिए कुर्सी हासिल करने का उपाय भर हैं। पीएम मोदी को आज बिहार की 12 करोड़ जनता को जवाब देना होगा।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुंगेर की पुलिस अधीक्षक (एसपी) और जेडीयू सांसद आरसीपी सिंह की बेटी लिपि सिंह पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा 'लिपि सिंह जनरल डायर बनने का अधिकार किसने दिया। मुंगेर की घटना मामूली नहीं है। इस मामले की हाईकोर्ट की निगरानी में जांच की जानी चाहिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री होने के साथ–साथ राज्य के गृह मंत्री भी हैं उन्हें मुंगेर की घटना पर जवाब देना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने ट्वीट करने के अलावा आज तक कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की ओर से लगातार कहा जा रहा है कि बिहार में विधि व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। मुंगेर में जिस प्रकार से नौजवानों को ऊपर बर्बरता पूर्वक कार्रवाई की गई है, वह बिहार के हालात को बताने के लिए काफी है।

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने तो पितृपक्ष के मौके पर अपराधियों से अपील तक कर दी थी कि अपराधी पितृपक्ष के समय अपराध न करें। नेता प्रतिपक्ष ने कहा इससे यह अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि जब बिहार का उपमुख्यमंत्री अपराधियों से अपराध नहीं करने की अपील करता हो तो उस राज्य में विधि व्यवस्था कैसी होगी।

उल्लेखनीय है कि सोमवार आधी रात को मुंगेर के शादीपुर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस ने युवकों पर लाठीचार्ज किया। पुलिस की पिटाई के बाद भीड़ उग्र हो गई और दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाद में बचाव के लिए पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग में करीब 25 लोग घायल हो गए, जिनका इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। मुंगेर के जिलाधिकारी राजेश मीणा और पुलिस अधीक्षक एसपी लिपि सिंह ने इस घटना के दो अलग–अलग वीडियो क्लिप जारी किए है।

एसपी लिपि सिंह ने कहा कि विसर्जन के दौरान असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें करीब 20 जवान घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी को गंभीर चोट आई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पथराव के बाद असामाजिक तत्वों की ओर से गोलीबारी की गई जिसमें एक युवक की मौत हो गई। डीएम राजेश मीणा ने बताया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

नवादा में पोलिंग एजेंट की हार्ट अटैक से मौत, रोहतास में लाइन में खड़े वोटर ने दम तोड़ा, गया में झड़प

पटना (एजेंसी)। बिहार के 16 जिलों की 71 सीटों पर निर्धारित समय पर मतदान शुरु हो गया है। हालांकि, सुबह नौ बजे तक मतदान की गति बहुत धीमी है। इस बीच नवादा और रोहतास में एक पोलिंग एजेंट और मतदान के लिए आए एक बुजुर्ग की मौत हो गई है। गया में दो प्रत्याशियों के समर्थकों में झड़प हो गई है। सुबह से ही लोग मतदान केंद्रों के बाहर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कतार में खड़े नजर आए। सुबह आठ बजे तक 2.4 प्रतिशत वोट पड़े। सबसे ज्यादा पटना में 4 फीसदी लोगों ने वोट डाले।

मतदान शुरु नहीं हो सकता है। त्तीन वोटिंग मशीन बदलने के बाद भी मतदान शुरु नहीं हो सका है। इस बूथ को कैंसिल किए जाने की सूचना है। चुनाव के दौरान नक्सलियों ने गड़बड़ी फैलाने की कोशिश की। औरंगाबाद के ढिबरा इलाके से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने आज तड़के सुबह दो इंप्रोवाइज्ड विस्फोटक उपकरण बरामद किए, जिन्हें डिफ्यूज कर दिया गया।

नवादा जिले के हिसुआ के फुलमा बूथ में मतदान के दौरान पोलिंग एजेंट कृष्णा सिंह को अचानक हार्ट अटैक आया।

जिसके बाद उन्हें तुरंत सदर

अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। दूसरी घटना रोहतास की है, जहां मतदान के लिए आए 65 वर्षीय हीरा महतो की मौत हो गई।

यह घटना जिले के संझौली के मध्य विद्यालय उदयपुर की है, जहां हीरा वोट डालने के लिए मतदान केंद्र संख्या 151 में आए थे।

जब वह मतदान के लिए कतार में खड़े थे, उसी बीच अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े और तुरंत उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

उल्लेखनीय है कि पहले चरण में 952 पुरुष व 114 महिलाओं समेत कुल 1066 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

इनमें आठ मंत्री भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। पहले चरण के चुनाव को लेकर राज्य में 31,371 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इस चरण में 2,14,84,787 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

पहले चरण के मतदान में 4,45,628 नए वोटर अपना वोट डालेंगे।

जमुई विधानसभा क्षेत्र के खैरा प्रखंड के बूथ संख्या 230 पर

पीएम मोदी और राहुल गांधी की ताबड़तोड़ रैलियां

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए आज 16 जिलों की 71 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। एक ओर उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद होती रहेगी,

दूसरी ओर पीएम मोदी और राहुल गांधी ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे होंगे। इस लिहाज से देखा जाए तो आज बिहार चुनाव के लिए बड़ा दिन है। प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी दूसरे चरण के लिए अलग–अलग जनसभाओं में गरजेंगे और अपनी–अपनी पार्टी के लिए वोट मांगेंगे। पीएम मोदी जहां दरभंगा, पटना और मुजफ्फरपुर में रैलियों को संबोधित करेंगे, वहीं राहुल गांधी वाल्मीकि नगर पश्चिम चंपारण और कुशेश्वरस्थान समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे।

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के पहले चरण में 16 जिलों की 71 सीटों पर सख्त सुरक्षा के बीच आज वोटिंग भी हो रही है। अपनी रैलियों की सूचना पीएम मोदी ने ट्विटर पर दी। पीएम मोदी ने कहा कि एक बार फिर बिहारवासियों के बीच रहूंगा। दरभंगा, मुजफ्फरपुर और राजधानी पटना की रैलियों में सीधे संवाद करने का मौका मिलेगा। आप सभी इन रैलियों से जरूर जुड़िए। पीएम मोदी की पहली रैली दरभंगा के राज मैदान में सुबह करीब 11 बजे होगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मुजफ्फरपुर के मोतीपुर चीनी मिल स्थित पचरुखी मैदान में दूसरी जनसभा को संबोधित करेंगे, जो करीब 12.30 बजे शुरू होग। प्रधानमंत्री की तीसरी रैली 2 बजे पटना हवाई अड्डे के निकट स्थित वेटनरी कॉलेज कैंपस में होगी। पीएम की चुनावी रैली को लेकर पुलिस–प्रशासन ने पूरी तैयारी कर रखी है। विशेष शाखा ने पहले ही सात आईपीएस की पोस्टिंग कर रखी है।

इसके अलावा पर्याप्त संख्या में डीएसपी, इंस्पेक्टर व पुलिस बलों के अलावा अर्धसैनिक बलों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

डॉग स्क्वायड,बम निरोधक दस्ता आदि का भी इंतजाम किया गया है। पीएम की रैली में सोशल डिस्टेंसिंग का हर हाल में पालन हो, प्रशासन इसकी तैयारी में है। वहीं,

राहुल गांधी दोपहर 12 बजे वाल्मीकि नगर और 2.30 बजे कुशेश्वरस्थान में जनसभा को संबोधित करेंगे।

वाल्मीकि नगर लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव 7 नवंबर को होगा जबकि कुशेश्वर अस्थान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में तीन नवंबर को मतदान होगा। बता दें कि आज यानी 28 अक्टूबर को इस चरण में 16 जिलों की 71 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। बिहार चुनाव में यह दूसरा दिन है, जब पीएम मोदी और राहुल गांधी ताबड़तोड़ रैलियों को संबोधित करेंगे। इससे पहले पीएम मोदी और राहुल गांधी ने 23 अक्टूबर को चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। पीएम मोदी ने जहां तीन रैलियों को संबोधित किया था, वहीं राहुल ने दो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले चरण में तीन सीटों पर प्रचार किया था पीएम मोदी ने सासाराम, गया और भागलपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया था।

पीएम मोदी की रैलियों में आर्टिकल 370 से लेकर जंग. लराज का जिक्र था, वहीं राहुल ने चीन के अतिक्रमण को लेकर हल्ला बोला था। पहले चरण में राज्य सरकार के आठ मंत्रियों समेत कई दिग्गज मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला 28 को ईवीएम में कैद हो जाएगा। इस चरण में जिन दिग्गजों के भाग्य का फैसला होना है, उनमें शिक्षा मंत्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, कृषि मंत्री प्रेम कुमार, ग्रामीण कार्य मंत्री शैलेश कुमार,विज्ञान एवं प्रावैधिकी मंत्री जय कुमार सिंह, राजस्व मंत्री रामनारायण मंडल, श्रम संसाधन मंत्री विजय कुमार सिन्हा, खनन मंत्री बृजकिशोर बिंद और परिवहन मंत्री संतोष कुमार निराला शामिल हैं।

इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व मंत्री विजय प्रकाश, श्रेयसी सिंह, अनंत सिंह, राजेंद्र सिंह, रामेश्वर चौरसिया और भगवान सिंह कुशवाहा मैदान में हैं। इन सीटों पर मतदान के साथ ही 1066 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो जाएगा। उम्मीदवारों में आठ मंत्री सहित 952 पुरुष व 114 महिला प्रत्याशी शामिल हैं।

सार–समाचार

बिहार में सीएम योगी की हुंकार, प्रधानमंत्री मोदी के काम देख इमरान खान की नींद हुई हराम

अरेराज(एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले कार्यकाल में गरीब कल्याण के लिए काम किया तो दूसरे में देश के उत्थान के लिए। अब वह देश के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। जिसके चलते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की नींद हराम हो गयी है। कांग्रेस ने कश्मीर से हमारा अधिकार छीन लिया था। परन्तु मोदी जी ने धारा 370 हटाकर हमें हमारा अधिकार दे दिया। अब अन्य देशों की तरह हम कश्मीर में भी जमीन खरीद सकते हैं।

कांग्रेस ने कश्मीर से हमारा अधिकार छीन लिया था पर अब हम कश्मीर में भी जमीन खरीद सकते हैं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमेश्वर उच्च विद्यालय में बुधवार को गोविंदगंज विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी सुनील मनी तिवारी के पक्ष में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में अपराध बाद के लिए कोई जगह नहीं है। पन्द्रह वर्षों तक नौजवानों के प्रतिभा को रौंदने वाली राजद अब रोजगार का एक नया बहाना लेकर आयी है। राजद ने तो जानवरों के चारा को भी हजम कर लिया था। जिस तरह यूपी में अपराध व माफियाओं का सफाया हो गया। उसी तरह बिहार में भी इनका सफाया हो रहा है। जो बचे है, उनकी भी बारी आयेगी। राजनीति में अच्छे चरित्र के लोगों को आनी चाहिए। वंशबाद की राजनीति को समाप्त कर देना चाहिए। जातिबाद व मजहब की राजनीति ने देश के विकास को रोक दिया था। उसे फिर से पनपने नहीं देना है। इससे पहले गोरियाकोठी, सिवान, बिहार में उन्होंने तेजस्वी और महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने नीतीश सरकार के काम भी गिनाए। उन्होंने कहा कि आज से 15 साल से पहले बिहार का युवा अपनी पहचान छुपाने के लिए मजबूर था। ऐसी संकट पैदा करने वाले लोग आज बिहार में फिर से रोजगार का लॉलीपॉप दिखाकर युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। इनके लालच में बिहार के युवाओं को नहीं आना चाहिए। आदतें जल्दी जाती नहीं है। भ्रष्टाचार का टैग लगा है उनपर, वो उनमें से जाएगा नहीं। सीवान में रैली को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इमरान खान पाकिस्तान का प्रधानमंत्री दुनिया में भीख मांगता फिरता है भारत से बचा लो। उन्होंने कहा यह है न्यू भारत। यह है भारत के युवाओं का शौर्य। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो देश में आतंकवाद नक्सलवाद को बढ़ावा दिया है।

दरभंगा में लालू राज पर बरसे मोदी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 16 जिलों की 71 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। दूसरी ओर पीएम मोदी और राहुल गांधी की आज ताबड़तोड़ रैलियां हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो बिहार चुनाव के लिए बड़ा दिन है। प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी दूसरे चरण के लिए अलग–अलग जनसभाओं में गरजेंगे और अपनी–अपनी पार्टी के लिए वोट मांगेंगे। पीएम मोदी जहां दरभंगा, पटना और मुजफ्फरपुर में रैलियों को संबोधित करेंगे, वहीं राहुल गांधी वाल्मीकि नगर पश्चिम चंपारण और कुशेश्वरस्थान समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी की की पहली रैली दरभंगा में हुई। दरभंगा में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम मंदिर की तारीख पूछने वाले अब मजबूरी में ताली बजा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले के समय, जो लोग सरकार में थे, उनका मंत्र रहा है– पैसा हजम, परियोजना खत्म। उन्हें कमीशन शब्द से इतना प्रेम था, कि कनेक्टिविटी पर कभी ध्यान ही नहीं दिया। मिथिलांचल को जोड़ने वाले कोसी महासेतु के साथ क्या–क्या हुआ, ये तो आप भलीभांति जानते हैं। 2003 में जब नीतीश जी रेल मंत्री थे और अटल जी प्रधानमंत्री थे, तब इस क्षेत्र मांग को पूरा करते हुए, अटल जी ने महासेतु का काम शुरू करवाया था। लेकिन उनके बाद जिस तरह इस पर काम हुआ, उससे लगता था कि मिथिलांचल की जनता का ये सपना, सपना ही रह जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए की पहचान है कि जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। देश में पहली बार ये हुआ है, जब मैनिफेस्टो को उठाकर ये आंकलन लगाया जा रहा है कि आगे कौन सा कदम सरकार उठाने वाली है। बीते 15 वर्षों में बिहार नीतीश जी के नेतृत्व में बहुत आगे बढ़ा है। आज मां सीता अपने नैहर को तो प्रेम से निहार ही रही होंगी। अयोध्या पर भी आज यहां की नजर होगी। सदियों की तपस्या के बाद आखिरकार अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण शुरु होगा। वो सियासी लोग जो बार–बार हमें तारीख पूछा करते थे, बहुत मजबूरी में वो भी तालियां बजा रहे हैं। पीएम मोदी ने महाकवि विद्यापति को याद किया और कहा कि महाकवि विद्यापति ने कभी मां सीता से प्रार्थना की थी और कहा था– जन्मभूमि अछि ई मिथिला, संभारू हे मां तनी आबि के अप्पन, नैहर संभारू हे माँ! आज मां सीता अपने नैहर को प्रेम से तो देख ही रही होंगी।' राम मंदिर निर्माण पर पीएम मोदी ने कहा कि वे सियासी लोग जो हमसे बार–बार तारीख पूछते थे वह अब मजबूरी में तालियां बजा रहे हैं।

नोटबंदी और लाकडाउन का एक ही मकसद, छोटे किसान हैं, छोटे कारोबारी को खत्म करनाः राहुल गांधी

पश्चिम चंपारण (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना रावण से की है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने 2014 में वादा किया था कि वह बिहार की चीनी मिलों को चालू कराएंगे और जब अगली बार आएंगे तब यहां की मिल में बनी चीनी को चाय में मिलाकर पीएंगें। मैं पूछता हूं पीएम आपके साथ चाय पीये क्या?

राहुल ने कहा कि आमतौर से दशहरे में रावण, कुंभकरण ओर मेघनाद के पुतले जलाए जाते हैं, लेकिन इस बार पंजाब में दशहरा पर पहली बार नरेंद्र मोदी, अंबानी और अडानी के पुतले जलाए। ऐसा पूरे पंजाब में देखने को मिला। कारण क्या है, आज भारत का किसान नरेंद्र मोदी जी का पुतला क्यों जला रहा है। ये दुख की बात है कि देश का किसान दशहरे पर देश के प्रधानमंत्री का पुतला जला रहे हैं। साल 2006 में जो गलती नीतीश कुमार ने की उसी गलती को पीएम मोदी ने देश भर में लागू कर दिया है। शहर का सहारा गांव होता है, गांव का सहारा किसान होता और किसान का सहारा खेत होता है।इसकारण किसान के बिना शहर नहीं चल सकता है। ये भारत की सच्चाई है। लेकिन नरेंद्र मोदी जो कानून लेकर आए हैं वह भारत के किसानों पर आक्रमण है। बिहार में 2006 में मंडी के सिस्टम और एमएसपी के सिस्टम को खत्म किया गया था। नए सिस्टम में गन्ना किसान चाहे कुछ भी कर ले उसे सही दाम नहीं मिलेगा।

यहीं वजह है कि बिहार के किसानों को अपना प्रदेश से बाहर जाना पड़ रहा है। जब महात्मा गांधी दुनिया की सुपर पावर से लड़ने जा रहे थे,तब वह चंपारण आए, वह बिहार आए।वहां जानते थे कि असल भारत यहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के युवाओं को बताया जाता है कि सपने देखो, रोजगार देखो, लेकिन रोजगार बिहार में नहीं मिलेगा, यह बंगलुरु और हरियाणा में मिलेगा। ये मत सोचिए कि बिहार के किसान और युवा में कोई कमी है, असल कमी नीतीश कुमार और पीएम मोदी में है। वे सच नहीं बताते हैं, वे केवल झूठ बोलते हैं। नरेंद्र मोदी ने दो करोड़ लोगों को नौकरी देने का वादा किया था। लेकिन उल्टा नौकरी से निकाल दिया। लाखों बिहारियों को देश के अलग अलग हिस्से से भगाया गया।

जब मजदूर बिहार लौटे तो क्या पीने का पानी मिला, खाना मिला, बस मिला? कुछ नहीं मिला, मजदूर पैदल आए। जब मैं इन मजदूरों से मिलने पहुंचा जो उन्होंने बताया कि अगर पीएम मोदी को लॉकडाउन करना था तो दो दिन की मोहलत क्यों नहीं दी, हम घर चले जाते। उन्होंने लॉकडाउन रात के आठ बजे झटके में क्यों दिया। लॉकडाउन और नोटबंदी का जवाब एक ही है। इसका लक्ष्य एक ही था, जो छोटे किसान हैं, छोटे कारोबारी हैं उनके धंधे को नष्ट करना।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Local Body Election: ड्यूटी से पहले मतदान, मतदानकर्मियों ने पोस्टल बैलेट से किया मतदान

जयपुर. नगर निगम चुनाव (Local Body Election) का काउंटडाउन शुरू हो चुका है. ड्यूटी पर जाने से पहले मतदान कर्मियों ने पोस्टल बैलेट से अपना कर्तव्य वोट कास्ट करके निभाया. नगर निगम हैरिटेज के लिए चुनाव ड्यूटी पर जाने वाले कर्मियों ने बैलेट पेपर के जरिए अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट किया.

➤ नगर निगम चुनाव (Local Body Election) का काउंटडाउन शुरू हो चुका है. ड्यूटी पर जाने से पहले मतदान कर्मियों ने पोस्टल बैलेट से अपना कर्तव्य वोट कास्ट करके निभाया.

इसके लिए उनसे पहले फार्म सेक्शन भरकर जमा कराया गया था. जिसकी जांच की गई और इसके बाद मतदान कर्मियों द्वारा पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान किया. मतदानकर्मी ने बताया कि पोस्टल बैलेट के जरिए हम लोगों का मतदान कराया जा रहा है. हम लोग मतदान कर्मी हैं.

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए पहले मतदान करना जरूरी हैं. इसलिए ड्यूटी पर जाने से पहले मतदान कर रहे हैं और शहर की जनता को भी कामकाज छोडकर सबसे पहले वोट कास्ट करना चाहिए.

हेमंत सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश, दोनों सीट पर NDA की होगी जीत: बाबूलाल मरांडी

बोकारो. झारखंड में दो सीटों पर उपचुनाव को लेकर एनडीए और महागठबंधन ने प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. इसी क्रम में मंगलवार की बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी बेरमो विधानसभा क्षेत्र के जरीडी प्रंखड पहुंचे. इस दौरान मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशान.

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 10 महीने की सरकार पूरी तरीके से विफल है, इसीलिए जनता आक्रोश में है और दोनों सीट पर एनडीए जीतेगी. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार नाकाम हो गई है, हर मोर्चे पर विफल है इसीलिए जनता भाजपा की ओर देख रही है.

बता दें कि झारखंड में दुमका और बेरमो सीट पर उपचुनाव होने हैं. बेरमो सीट कांग्रेस विधायक के निधन के बाद खाली हुई है, जबकि दुमका सीट हेमंत सोरेन ने खाली की है. दोनों सीट पर 3 नवंबर को मतदान होना है और 10 नवंबर को नतीजे सामने आएंगे.

दुमका सीट जहां जेएमएम के खाते में गई है तो वहीं बेरमो सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में हैं. वहीं, एनडीए में दोनों सीट पर बीजेपी प्रत्याशी मैदान में हैं. एनडीए का दावा है कि दोनों सीट पर उसकी जीत होगी.

हैवानियत की हद पार, पति ने पहले कुत्ते की जंजीर से घोंटा गला, फिर चाकू से गोदा

पति ने पहले कुत्ते की जंजीर से अपनी पत्नी का गला दबाया और फिर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी.पत्नी को मारने के बाद आरोपी पति थाने पहुंचा और पुलिस को अपना जुर्म बताकर सरेंडर कर दिया.

इंदौर.कहते हैं शादी में सात फेरे लेते समय पति-पत्नी जीवन भर साथ रहने की कसमें खातें हैं. मगर क्या हो जब जीवन साथी ही आपके लिए काल बन जाए? ऐसा ही एक मामला इंदौर से सामने आया है, जहां एक हैवान पति ने शादी के महज तीन महीने बाद ही पत्नी को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया. फिर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया.

घटना संयोगितागंज थाना क्षेत्र के जावरा कंपाउंड इलाके की है.बताया जा रहा है कि आरोपी पति ने पहले कुत्ते की जंजीर से अपनी पत्नी का गला दबाया और फिर चाकू से गोद कर उसकी हत्या कर दी. इतना ही नहीं पत्नी को मारने के बाद आरोपी पति थाने पहुंचा और पुलिस को अपना जुर्म बताकर सरेंडर कर दिया.

पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय भेज दिया है. पुलिस के मुताबिक मृतिका का नाम अंशु शर्मा(22 वर्ष) है और उसने तीन महीने पहले ही हर्ष(आरोपी पति) से शादी की थी.पुलिस का कहना है कि मंगलवार देर रात दोनों में पारिवारिक मुद्दे को लेकर आपसी विवाद हुआ था. जिसके बाद हर्ष ने अंशु की निर्मम हत्या कर दी.

परिवार के खिलाफ जाकर की थी शादी

मिली जानकारी के मुताबिक दोनों ने 3 महीने पहले ही लव मैरिज की थी. दोनों शादी से पहले एक ही ऑफिस में काम करते थे.जहां दोनों में दोस्ती हुई और कुछ समय बाद दोनों ने शादी कर ली. सूत्रों से पता चला है कि मृतिका ने अपने परिजनों को बिना बताए ही हर्ष के साथ रहने लगी थी. जिसके बाद परिजनों ने बेटी की गुमशुदगी की शिकायत भी कराई थी.

परिजनों का कहना है कि पुलिस ने उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की थी. साथ ही उनका ये भी कहना है कि उन्होंने अपनी बेटी को बहुत समझाया था कि हर्ष ठीक लड़का नहीं है, लेकिन उसने अपनी मनमानी करते हुए हर्ष से शादी कर ली.

मेरठ : मुलायम सिंह यादव मेडिकल कॉलेज का नाम बदला, वजह सियासी है मगर दिलचस्प भी

कॉलेज के सभी दस्तावेज में अब इसका नया नाम शामिल हो गया है. इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई होती है और ओपीडी भी चलती है. अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाया गया है, इसमें 350 कोविड बेड हैं.

मेरठ. समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान बनकर तैयार हुए मुलायम सिंह यादव मेडिकल कॉलेज का नाम अब नेशनल कैपिटल रीजन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस होगा. भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के अधिक्रमण में शासी बोर्ड ने नए नाम से प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया है. फिलहाल मेडिकल कॉलेज का नाम बदलने को राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है. आपको बता दें कि ये मेडिकल कॉलेज बीजेपी से एमएलसी सरोजिनी अग्रवाल का है.

मेडिकल कॉलेज को बनाया गया है कोविड अस्पताल

मेडिकल कॉलेज 2015 में बना, जब इसका शुभारंभ तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने किया था. एमसीआई की अनुमति से 2018 में 150 सीटों पर एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हो गई थी. लेकिन अब इसका नाम बदल गया है. कॉलेज के सभी दस्तावेज में अब इसका नया नाम शामिल हो गया है. इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई होती है और ओपीडी भी चलती है. अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाया गया है, इसमें 350 कोविड बेड हैं. जहां कोरोना पॉजिटिव मरीज भी एडमिट हैं.

क्यों बदला कॉलेज का नाम?

इस वक्त बीजेपी से एमएलसी सरोजिनी अग्रवाल इससे पहले समाजवादी पार्टी की नेता थीं. उनका नाम मुलायम सिंह यादव की गुडलिस्ट में भी शुमार था. यही वजह है कि उन्होंने मेरठ में बनवाए गए इस मेडिकल कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखा. लेकिन अब सरोजिनी अग्रवाल बीजेपी में शामिल हो चुकी हैं. ऐसे में माना जा रहा है कहीं न कहीं कॉलेज का नाम मुलायम सिंह यादव के नाम पर होने की वजह से इसके विकास में अड़चन आ रही है. जिसे दूर करने के लिए कॉलेज का नाम बदला गया है.

वजीरगंज विधानसभा

मानपुर के 12 गांव के ग्रामीणों ने किया वोट का बहिष्कार, ये बताई वजह

ग्रामीणों ने बताया कि पईन का अतिक्रमण भी हो गया है जिससे नाली की तरह भी नहीं बच रहा है. जब तक पानी का निकास नहीं होगा हम लोग इसी तरह वोट बहिष्कार करते रहेंगे.

गया. बिहार के वजीरगंज विधानसभा के मानपुर प्रखंड के 12 गांव में बूथ नंबर 85 पर सामूहिक रूप से वोट को बहिष्कार किया गया. ग्रामीणों ने बताया कि हम लोग विगत 50 वर्षों से पईन की सफाई नहीं होने के कारण सारे पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि से गुहार लगाकर थक गए हैं.

इसके बावजूद भी किसी ने पईन की सफाई नहीं करवाने के कारण पईन जो है, वह नाली में तब्दील हो गया है और आगे जाकर नगण्य हो गया है. इसके कारण बरसात होते ही गांव में पानी भर जाने की समस्या हो जाती है. पानी रोड पर भर जाने के कारण हमारी बच्चियां स्कूल जाने से वंचित रह जाती हैं.

ग्रामीणों ने बताया कि पईन का अतिक्रमण भी हो गया है जिससे नाली की तरह भी नहीं बच रहा है. जब तक पानी का निकास नहीं होगा हम लोग इसी तरह वोट बहिष्कार करते रहेंगे. इस बात की जानकारी जैसे ही जिला प्रशासन को लगी, मौके पर एडिशनल एसपी मुफस्सिल थाना के एसएचओ दल-बल के साथ 12 गांव पहुंचकर कर वोटरों को समझाने के लिए प्रयास करने लगे, लेकिन वोटरों ने इनकी एक न सुनी.

वही, पीठासीन पदाधिकारी से पूछने पर उन्होंने बताया कि हमारे गाइडलाइन के अनुसार जब कोई भी पोलिंग एजेंट नहीं पहुंचा तो हमने अपनी ईवीएम मशीन को अपने पावर का इस्तेमाल करते हुए ऑपरेट किया तब जाकर के दो व्यक्ति वोट देने के लिए पहुंचे उसने अपना वोट दिया.

दिल्ली में स्कूल खोलने को लेकर सरकार का बड़ा फैसला, डिप्टी CM का आया ये बयान

नई दिल्ली. दिल्ली सरकार (Delhi Government) ने कोरोना वायरस (Coronavirus) के बाद बंद चल रहे स्कूलों को अभी और बंद रखने का फैसला लिया है. दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया (Delhi Deputy Cm Manish Sisodia) ने कहा है कि दिल्ली में स्कूल अभी नहीं खोले जाएंगे. सिसोदिया ने कहा कि सभी स्कूल अगले आदेश तक दिल्ली में बंद रहेंगे.

अभिभावकों ने दिया सुझाव

सिसोदिया ने कहा कि कोरोना के मामले चिंता बढ़ा रहे हैं. छात्रों और अभिभावकों के मन में इसको लेकर कई सवाल हैं. उन्होंने कहा कि ई जगह अभिभावक और छात्र मिलते हैं तो अभी स्कूल खोलने की मना करते हैं. दुनिया में जिन देशों ने स्कूल खोले भी वहां चिंता बढ़ गई है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मशविरा करने के बाद यह फैसला लिया गया है. डिप्टी सीएम ने कहा कि हमने ये फैसला ये सोच कर भी लिया कि क्या हम अभी के हालातों में बच्चों को स्कूल भेज सकते हैं?

आईपी यूनिवर्सिटी में बढ़ीं सीटें

इसके अलावा दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने यह भी बताया कि दिल्ली में इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय(IP) के कॉलेजों में सरकार ने 1,330 सीटें बढ़ा दी हैं.

उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि दिल्ली सरकार छात्र-छात्राओं की एडमिशन की समस्या को हल करने पर काम कर रही है.

पुडी-सब्जी खाने के लिए कोरोना को भूले कार्मिक, ना मास्क ना सोशल डिस्टेसिंग की पालना

नगर निगम चुनाव (Local Body Election) के पहले चरण के लिए पोलिंग पार्टियों को भवानी निकेतन से रवाना किया गया.

जयपुर. नगर निगम चुनाव (Local Body Election) के पहले चरण के लिए पोलिंग पार्टियों को भवानी निकेतन से रवाना किया गया, लेकिन रवागनी स्थल पर पुडी-सब्जी के स्वाद के पीछे कोरोना को सरकारी कार्मिक भूल गए, लेकिन कोरोनाकाल में रवानगी स्थल पर तस्वीरे बेहद चिंताजनक देखने को मिली.

मतदानकर्मी से लेकर पुलिसकर्मी बिना मास्क लगाए हुए खाने के लिए टूट पडे. लंबी-लंबी कतारों में लगकर बिना सोश्यल डिस्टेसिंग की पालना करते हुए खाने का इंतजार करते हुए नजर आए. ठीक इसके सामने जिला प्रशासन के आला अफसरों की फौज इतनी भीड को देखकर भी आंखों पर पट्टी बांध रखी थी.

ना कोई रोकने वाला वहां दिखा और ना की कोई टोकने वाला. ऐसा लग रहा था जैस की कोरोना खत्म हो गया हो. जबकि सरकार ने नो मास्क नो एंट्री अभियान चला रखा है. लोगों को जागरूक करने का काम सरकार कर रही हैं, लेकिन इसकी पालना करवाने वाले सरकारी नुमाइंदे ही अभियान की हवा निकालने में कोई कसर नहीं छोड रहे हैं.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)